हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live & dkunews24

वर्ष : 01 अंक–67 : जौनपुर, शुक्रवार 04 नवम्बर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी के हाथों सम्मान पाकर खिल उठे मेधावियों के चेहरे

लखनऊ ब्यूरो : मेधावी छात्र सम्मान समारोह में सीएम के हाथों सम्मान पाकर छात्र तो अभिभूत हो ही गए पर उनके साथ उनके अभिभावक भी भावुक हो उठे। मेधावियों के चेहरे खिल उठे। उम्मीदों का नया सूरज मानों आसमान में खिल उठा जिसकी चमक इन छात्र–छात्राओं की आंखों में साफ नजर आई। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में जैसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावियों का सम्मान किया तो इस सभागार में माहौल पूरी तरह से बदल गया। मेधावियों का सम्मान कार्यक्रम गुरुवार को था पर अधिकतर मेधावी अपने परिवार के सदस्यों के साथ बुधवार की शाम को ही राजधानी पहुंच चुके थे। खचाखच भरे सभागार में प्रदेश भर से आए टॉपर्स इस सम्मान को पाकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। करते भी भला क्यों न ? माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी स्वयं उन्हें मंच से आशीर्वाद दे रही थीं। शिक्षिका रह चुकी गुलाब देवी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम में सम्मान पाकर विद्यार्थी नया मुकाम हासिल करते हैं। इनमें से कोई वकील बनेगा तो कोई चिकित्सक, कोई इंजीनियर तो कोई सीएम। उन्होंने ठीक एक शिक्षिका की ही मानिंद बच्चों को न केवल सीख दी बल्कि आशीर्वचन भी दिए। इसी तरह से परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भी इन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह अनुभव छात्र–छात्राओं के लिए एकदम नया था। अमर उजाला जिलों में पहले ही इन विद्यार्थियों का सम्मान कर चुका था पर राजधानी में इस तरह के भव्य आयोजन में सम्मान पाकर सभी टॉपर्स की आंखें चमक उठी। उनके अभिभावकों ने भी कहा कि इस तरह के आयोजन ही टॉपर्स के लिए मार्गदर्शक का काम करते हैं। न केवल इन छात्रों के लिए बल्कि अन्य छात्रों के लिए भी एक संदेश देते हैं कि वे आगे बढ़ेंगे तो उनका भी सम्मान होगा। छात्रों ने कहा कि सीएम से मिलना उनका सम्मान था और अमर उजाला ने न केवल यह मौका दिया बल्कि उनके हाथों सम्मान दिलवाकर उनका सपना साकार किया। खास तौर से जब सीएम ने परीक्षाओं में बेटियों के आगे आने की बात कही तो सभागार में मौजूद बेटियों के लिए हाल तालियों से गूंज उठा। मुख्यमंत्री से सम्मानित हो खिल उठे मेधावियों के चेहरे अपने शहर व परिवार का नाम रोशन करने वाले मेधावियों केमन में जहां मुख्यमंत्री से मिलकर उनके हाथों मंच पर अलंकृत होने के अनुभव को लेकर अकुलाहट थी, जिसका वे बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। वहीं उनकेअभिभावकों में उस पल को कैमरे में कैद करने व आंखों में बसा लेने की व्याकुलता थी। सम्मान पाकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे तो उनके अभिभावक उस पल को लेकर अभिभूत हो गए। उनकी

आंखें नम सी हो गईं और खुशी में तालियों की तड़तड़ाहट से हॉल गूंज उठा। कुछ ऐसा ही माहौल गुरुवार को अमर उजाला मेधावी सम्मान समारोह में देखने को मिला। जिसका आयोजन गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के मार्स प्रेक्षागृह में किया गया था। मेधावियों ही नहीं, अभिभावक भी गदगद नजर आए। उनकी खुशी व खिले हुए चेहरे देखने लायक थे। दरअसल, प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अमर उजाला मेधावी सम्मान समारोह में हाईस्कूल व इंटर के टॉपरों को अलंकृत किया गया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार दोपहर को शुरू हुए कार्यक्रम से पूर्व ही मेधावी अपने अभिभावकों के साथ पहुंच गए थे। तय सीटों पर मेधावियों को बिठाया गया। देखते ही देखते प्रेक्षागृह खचाखच भर गया। मुख्य अतिथि योगी आदित्यनाथ का इंतजार हो रहा था। चूंकि मेधावी एक रात पहले ही लखनऊ पहुंच गए थे। ऐसे में उनके मन में मुख्यमंत्री से मिलने, उनके हाथों सम्मानित होने, मंच व तस्वीर साझा करने को लेकर काफी अकुलाहट थी। दरवाजे से आते हर अतिथि पर मेधावियों की टकटकी लग जाती। मुख्यमंत्री के आने पर उनका चेहरा खिल उठा। मेधावियों ने सीटों से खड़े होकर तालियों से उनका इस्तकबाल किया। पूरा हॉल गूंज उठा। मेधावियों को सम्मानित करने का कारवां शुरू हुआ और जैसे–जैसे उनके नाम पुकारे गए उनका जोशोखरोश बढ़ने लगा। मंच पर सम्मान पाकर उनकेचेहरे खिल उठे। उधर मंच से नीचे उनकेअभिभावकों ने इन पलों को मोबाइल व आंखों में कैद किया। वे अभिभूत दिखे और कईयों की आंखें नम थीं। बच्चों को मिले सम्मान पर उनकी तालियां बजती रहीं। सम्मान पाने के बाद बच्चों ने मुख्यमंत्री केसाथ तस्वीर भी खिंचाई और उत्साह से लबरेज यह माहौल अंत तक बना रहा। मोटिवेट हुए मेधावी, लिए संकल्प सम्मान समारोह से पूर्व कार्यक्रम में मोटिवेशनल स्पीकर अमित कुमार निरंजन ने मेधावियों को प्रेरित करने वाले किस्से सुनाए। उन्हें अपने दिल की बात सुनने को कहा। साथ ही फोकस के महत्व के बारे में जानकारी दी। इतना ही नहीं मेधावियों ने भी जीवन में सफलता अर्जित करने के संकल्प लिए। सीएम ने किया ट्वीट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम में छात्रों को सम्मानित करने के बाद अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट करके कार्यक्रम के आयोजकों, छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी।

शराबबंदी अभियान में तेजी के लिए भारत में चार जोन बनाकर अभियान को तेज करने का लिया गया फैसला –मुर्तजा अली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। मिशन'' चलो गांव की ओर''. .@... LIQUOR FREE INDIA]-National Woking Team Meeting @. .प्राउट हाउस, नई दिल्ली,.. राष्ट्रीय समन्वयक प्रबंध कार्यकारिणी में विस्तार करते हुए , राष्ट्रीय शराबबंदी संयुक्त मोर्चा ने आन्दोलन की दृष्टि से चार जोन बनाकर जिम्मेदारी दी .. जिसमें उतर जोन (उ.प्र., दिल्ली , पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश) की जिम्मेदारी, श्री सुल्तान सिंह , इटावा,(उ.प्र.), डा सरिता त्यागी, श्रीमती तरन्नुम, श्रीवास्तव,, पूर्व जोन (उड़ीसा,प.बगाल, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर,बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़) की जिम्मेदारी श्री शुभेंदु , भुवनेश्वर,उड़ीसा,को , दक्षिण जोन (तमिलनाडु, कर्नाटक,केरल, आंधप्रदेश), पश्चिम जोन (मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात,गोवा) की जिम्मेदारी श्री निहाल सिंह चौहान , ग्वालियर को दी गई। इसके अलावा लीगल सेल की जिम्मेदारी श्री प्रकाश जी एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, एडवोकेट श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव दिल्ली को व सोशल मीडिया की जिम्मेदारी श्रीवास्तव भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन सदस्य दिल्ली व बलराम जी गुरुग्राम, हरियाणा को दी गई। बैंक खाता

संचालन हेतु आचार्य संतोषानंद जी आनंद मार्गी,, संरक्षक, व डॉ सरिता त्यागी ,मेरठ को दी गई। संगठनात्मक संरचना बनाने के बाद हर जोन में शराबबंदी, नशामुक्ति के लिए काम करने वाली संस्थाओं को एक प्लेटफार्म पर लाकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन बनाने का निर्णय हुआ। जोन स्तरीय गठन, के बाद जोन स्तर के शराबबंदी नशामुक्ति आन्दोलन के बाद राष्ट्रव्यापी आंदोलन होगा। सरकार को राजनीतिक पार्टियों को चुनाव के दौरान अपने मेनिफेस्टो में शराबबंदी को भी शामिल कराने के लिए जनमत खड़ा किया जाएगा। बैठक में राष्ट्रीय नशामुक्ति परिषद के सचिव श्री रजनीश ,अपना घर, जामिया, ओखला के सचिव, शोधार्थी छात्र, बिहार से लोक समिति के राष्ट्रीय संयोजक श्री आजाद जी सहित 18राजयो के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निजी औद्योगिक पार्क पर 50 करोड़ की सब्सिडी : स्टांप ड्यूटी में 100 फीसदी छूट –यूपी कैबिनेट

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश में 100 एकड़ से अधिक भूमि पर निजी औद्योगिक पार्क की स्थापना पर 50 करोड़ रुपये की सब्सिडी मिलेगी। निवेशकों को स्टांप ड्यूटी में सौ फीसदी छूट के साथ पूंजीगत निवेश पर 25 फीसदी की सब्सिडी भी दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति–2022 को मंजूरी दी गई। औद्योगिक विकास एवं अवस्थापना विभाग के मंत्री नंदगोपाल गुप्ता ने बताया कि नई नीति में निवेशकों के लिए उत्कृष्ट सुविधाएं व प्रोत्साहन की व्यवस्था है। उन्होंने बताया, प्रोत्साहन सब्सिडी के लिए तीन विकल्प दिए जाएंगे। पहले नंबर पर पूंजीगत सब्सिडी, दूसरे पर शुद्ध एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति और तीसरे विकल्प के रूप में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन टॉपअप सब्सिडी है। निवेशकों को बुंदेलखंड व पूर्वांचल में भूमि खरीद पर स्टांप ड्यूटी में शत प्रतिशत छूट मिलेगी। पश्चिमांचल व मध्यांचल में स्टांप ड्यूटी पर 75 फीसदी छूट दी जाएगी। गौतमबुद्ध नगर व गाजियाबाद में 50 फीसदी छूट दी जाएगी। डॉरमेट्री व हॉस्टल में भी छूट निवेश के आधार पर 45 करोड़ रुपये की सीमा तक बुंदेलखंड व पूर्वांचल में 20 एकड़ या उससे अधिक भूमि पर, मध्यांचल व पश्चिमांचल में 30 एकड़ और उससे अधिक भूमि पर निजी

औद्योगिक पार्क स्थापना पर 25 फीसदी पूंजीगत सब्सिडी दी जाएगी। सौ एकड़ से अधिक के पार्क के लिए सब्सिडी 50 करोड़ रुपये होगी। निजी पार्क में आवास के लिए 25 करोड़ तक डॉरमेट्री व हॉस्टल पर 25 फीसदी तक सब्सिडी दी जाएगी। प्रस्तावित भूमि के 25 फीसदी के अधिग्रहण का लाइसेंस मिलेगा। लाइसेंस क्षेत्र में विकास के लिए अधिकार भी निहित होंगे। एक्सप्रेसवे पर मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर : एक्सप्रेसवे, फ्रेट कॉरिडोर के किनारे लैंड बैंक और इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। नोएडा–गाजियाबाद में सबसे कम सब्सिडी बुंदेलखंड एवं पूर्वांचल में निवेश पर सबसे ज्यादा, जबकि गौतमबुद्ध नगर एवं गाजियाबाद में सबसे कम सब्सिडी मिलेगी।

यूपी में 15 आयुष कॉलेजों की मान्यता खतरे में : दिया गया है खामियां सुधारने का अंतिम अवसर

लखनऊ ब्यूरो : प्रदेश में 15 आयुष कॉलेजों की मान्यता खतरे में हैं। केंद्रीय आयुर्वेदिक चिकित्सा परिषद की केंद्रीय टीम के निरीक्षण में इन कॉलेजों में खामियां मिली हैं। हालांकि इन कॉलेजों को खामियां दूर करने का अंतिम मौका दिया गया है। उधर निजी क्षेत्र के कुल 80 आयुष कॉलेजों में आधे से अधिक में अभी तक निरीक्षण नहीं हो पाया है। ऐसे में इन कॉलेजों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग इस महीने शुरू होने पर संशय है क्योंकि निरीक्षण के बाद जहां कमियां पाई जाएंगी, वहां सुधार का मौका मिलेगा। इसके बाद जहां सुधार नहीं हो पाएगा, वहां की मान्यता समाप्त कर दी जाएगी जबकि प्रदेश में नीट यूजी के तहत एमबीबीएस और बीडीएस के बाद आयुष कॉलेजों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग चल रही है। इसके तहत बीएएमएस (आयुर्वेद), बीएचएमएस (होम्योपैथिक) और बीयूएमएस (यूनानी) कोर्स में दाखिले होते हैं। सूत्रों का कहना है कि सरकारी क्षेत्र के 12 आयुर्वेदिक कॉलेजों का निरीक्षण हुआ। इनमें बांदा, मुजफ्फरनगर और हड़ियां (प्रयागराज) स्थित कॉलेजों में खामियां पाई गई हैं। इनकी मान्यता पर खतरा हैं। इन्हें सुधारने का अंतिम मौका दिया गया है। इसी तरह निजी क्षेत्र के 58 कॉलेजों में करीब 20

का निरीक्षण हुआ है, जिसमें 10 में खामियां मिली हैं। होम्योपैथिक के नौ सरकारी कॉलेजों में अलीगढ़ और गोरखपुर में खामियां पाई गई हैं। यह है सीटों का विवरण प्रदेश में नीट यूजी 2022 के लिए 1.17 लाख विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। एमबीबीएस के लिए सरकारी क्षेत्र के 35 कॉलेजों में 4,303 और निजी क्षेत्र के 32 कॉलेजों में 4,750 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। बीडीएस की तीन सरकारी कॉलेज में 300 और निजी क्षेत्र के 24 कॉलेजों में 2,600 सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। इसी तरह बीएएमएस (आयुर्वेद) में सरकारी क्षेत्र के 12 कॉलेजों में 502 व निजी क्षेत्र के 58 कॉलेजों में 5010 सीटों, बीएचएमएस (होम्योपैथिक) की सरकारी क्षेत्र के नौ कॉलेजों में 828 व निजी क्षेत्र के चार कॉलेजों में 200 सीटों और बीयूएमएस (यूनानी) की सरकारी क्षेत्र के दो कॉलेजों की 128 और निजी क्षेत्र के 18 कॉलेजों के 670 सीटों पर प्रवेश देना प्रस्तावित है। केंद्रीय टीम के निरीक्षण में जहां खामियां मिलेंगी, वहां सीटों की संख्या कम हो सकती है।

गैंगस्टर के आरोपी नर्सिंग होम संचालक की तीन संपत्तियां हुई जब्त : जिलाधिकारी के आदेश पर हुई कार्यवाही

गोरखपुर ब्यूरो : गैंगस्टर एक्ट के आरोपी नर्सिंग कॉलेज संचालक डॉ. अभिषेक यादव उसकी पत्नी व बहन की 50 करोड़ से अधिक की 3 संपत्ति शुक्रवार को जब्त व कुर्क हुई। तिवारीपुर थाना पुलिस की रिपोर्ट पर जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश ने आरोपियों की चिन्हित हुई भूमि, भवन, नर्सिंग कॉलेज को कुर्क करने का आदेश दिया था। इनके अलग–अलग बैंकों में स्थित 15 से अधिक बैंक खातों के संचालन पर भी जिलाधिकारी ने रोक लगा दी है। बिना मान्यता के नर्सिंग कॉलेज में छात्रों का प्रवेश लेकर जालसाजी करने का आरोपी डॉ. अभिषेक उसकी पत्नी समेत पांच आरोपी इस समय जेल में हैं। बता दें कि पिपराइच के तुर्रा बाजार स्थित राज नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कॉलेज के संचालक डॉ. अभिषेक यादव ने कूटरचित दस्तावेज कर शासन से मान्यता मिलने की जानकारी देकर नर्सिंग कॉलेज में छात्र–छात्राओं का प्रवेश ले लिया था। शिकायत पर शासन के संयुक्त सचिव अनिल कुमार सिंह ने आठ जनवरी 2022 को कोतवाली थाने में राज नर्सिंग कॉलेज के संचालक पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर जालसाजी करने का मुकदमा दर्ज कराया था। जालसाजी की जानकारी होने पर ठगी के शिकार छात्रों के स्वजन ने भी तहरीर दी थी। कॉलेज पर ताला लगाने के साथ ही अधिकारियों ने आरोपियों के खिलाफ पिपराइच थाने में भी मुकदमा दर्ज कराया। कोतवाली थाना पुलिस ने मामले की छानबीन की तो पता चला कि दुर्गाबाडी निवासी डॉ. अभिषेक यादव उसकी पत्नी डॉ. मनीषा यादव, शाहपुर के बशारतपुर में रहने वाली बहन डॉ.

पूनम यादव, अपने साथी शक्तिनगर निवासी डॉ. सी प्रसाद उर्फ चौथी, बस्ती जिले के लालगंज, खोरिया निवासी शोभितानंद यादव, गुलरिहा थानाक्षेत्र के करमहा निवासी श्यामनरायण मौर्य व मोगलहा निवासी विशाल त्रिपाठी के साथ मिलकर 2015 से यह गिरोह चला रहे हैं। एसएसपी के आदेश पर कोतवाली थाना पुलिस ने 16 सितंबर को आरोपियों के खिलाफ कोतवाली थाने में गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया था, जिसकी विवेचना तिवारीपुर थाना पुलिस कर रही है।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन इरीगेशन डिपार्टमेंट उत्तर प्रदेश का 47 वा दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन डॉ राम मनोहर लोहिया सभागार लखनऊ में संपन्न : कृतार्थ सिंह प्रान्तीय अध्यक्ष एवं गोवर्धन सिंह महामंत्री चुने गये : प्रान्तीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रथम अजय यादव : वरिष्ठ उपाध्यक्ष द्वितीय मनोज कुमार सिंह : वरिष्ठ उपाध्यक्ष तृतीय सुखवीर सिंह सहित प्रदेश के तथा मण्डलों से पदाधिकारी निर्वाचित हुए।

श्रीराम चरण पादुका पूजन सम्पन्न : श्रीराम कर्मभूमि यात्रा का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रीराम चरण पादुका पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह एवं साधु संत मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंत्रोच्चारण के साथ विधि विधान से

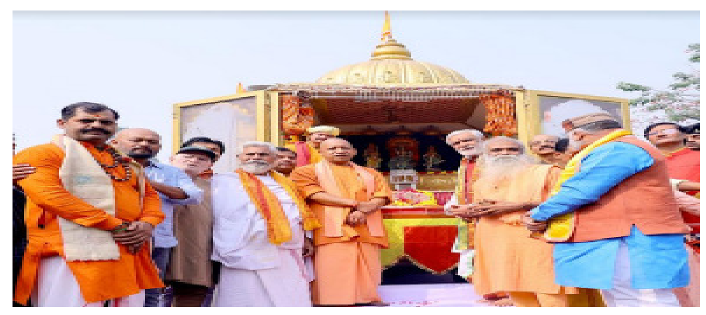

श्रीराम चरण पादुका की पूजा अर्चना कर श्री राम कर्मभूमि यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने गंगा जल से आचमन और श्रीराम चरण पादुका पर पुष्प अर्पित कर भगवान श्रीराम से लोक कल्याण की मंगलकामना की। श्री राम कर्मभूमि यात्रा अयोध्या से बक्सर होते हुए जनकपुर तक जाएगी। उनके साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने भी विधि विधान से श्रीराम चरण पादुका की पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना के बाद उन्होंने नारियल फोड़कर श्रीराम चरण पादुक रथ को रवाना किया। आदित्यनाथ को भगवान श्रीराम पर आधारित इससे पहले साधु संतों ने मुख्यमंत्री योगी पुस्तक और गंगा जल भेंट किया।यात्रा संयोजक बाबा सत्यनारायण मौर्य तथा श्रीराम चरणपदुका का पूजन पवन तिवारी अखण्ड जी ने सम्पन्न कराया।

एटीएस ने सहारनपुर से दो संदिग्ध आतंकियों को किया गिरफ्तार

लखनऊ ब्यूरो : यूपी एसटीएस ने बृहस्पतिवार को सहारनपुर से दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से आस मोहम्मद सहारनपुर के देवबंद थाना के जहीरपुर का रहने वाला है, जबकि मोहम्मद हारिस हरिद्वार के झबरेड़ा थाना क्षेत्र के बबेलपुर निवासी है। दोनों अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) और जमात–उल–मुजाहिद्दीन बांग्लादेश (जेएमबी) से संबंधित हैं। दोनों के पास मोबाइल व कई सिमकार्ड बरामद किए गए हैं। इससे पहले भी यूपी एटीएस ने 10 अक्तूबर को इन्हीं दोनों संगठनों के सक्रिय आठ आतंक के आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ में इन दोनों के नाम सामने आए थे। इसके आधार पर ही यूपी एटीएस ने आस मोहम्मद और मोहम्मद हारिस को सहारनपुर से पूछताछ के लिए लखनऊ स्थित एटीएस मुख्यालय ले आई थी। पूछताछ में दोनों के आतंकी संगठनों से नजदीकी संबंध की पुष्टि होने के बाद इन्हें गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में यह तथ्य सामने आया कि दोनों कट्टरपंथी विचारधारा के लोगों को जिहाद के नाम पर संगठन से जोड़ते हैं। पुलिस व अन्य एजेंसियों से बचने के लिए खास मोबाइल एप का इस्तेमाल करते हैं। संगठन में जुड़ने वाले नए लोगों को इस एप पर बातचीत करने का प्रशिक्षण भी देते हैं। इसमें कोड लैंग्वेज का इस्तेमाल सिखाया जाता है। दोनों ने पश्चिम बंगाल और असम के बाद यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड में भी कट्टरपंथी विचारधारा के लोगों को अपने साथ जोड़ा और जकात हदिया व इमदाद के नाम पर टेरर फंड जुटाया।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–

सत्य का सर्वश्रेष्ठ अभिनन्दन यही है कि हम उसं आचरण में लाएं।

–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

भविष्य की मुद्रा है ई–रुपया

हम अब भी डिजिटल रुपये के विकास के शुरुआती चरण में हैं और आगे कई चुनौतियां होंगी। अच्छी बात यह है कि सरकार और रिजर्व बैंक इस मामले में बहुत व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

जनवरी, 2009 में अपनी लॉन्चिंग के बाद से बिटकॉइन ने दुनिया भर में क्रिप्टो मुद्राओं के विस्तार में अहम भूमिका निभाई। नवंबर, 2021 में अपने चरम पर इसके 10,000 से अधिक सिक्के बाजार में थे और इनका बाजार मूल्य करीब तीस खरब डॉलर था, जिनमें बिटकॉइन का बाजार मूल्य 12.8 खरब डॉलर था। वर्ष 2022 में बाजार में सुधार के चलते सभी क्रिप्टो मुद्राओं का मूल्य लगभग 10 खरब अमेरिकी डॉलर रह गया है, जिसमें कई मुद्राओं का मूल्य शून्य रह गया है और क्रिप्टो क्षेत्र में काम करने वाली कई कंपनियां दिवालिया हो रही हैं।

क्रिप्टो मुद्राओं में इस बड़ी गिरावट ने क्रिप्टो दलालों, उधारदाताओं, फंडों और एक्सचेंजों को खुद को दिवालिया घोषित करने के लिए अर्जी लगाने पर बाध्य किया है, जिससे इनमें निवेश करने वालों को भारी नुकसान हुआ है। सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक क्रिप्टो उत्पादों की अनियमित प्रकृति पर चिंता जता रहे थे, जिसका मनी लॉन्ड्रिंग, ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी और आपराधिक गतिविधियों के लिए उपयोग हो सकता है।

पिछले एक साल में ऐसे मामलों में कई गुना वृद्धि हुई है, जिसमें ऋण एप्स क्रिप्टो का उपयोग विदेशों में धन भेजने के लिए होता है। क्रिप्टो उत्पादों की बुनियाद रखने वाली ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी और डेफी अर्थव्यवस्था के लिए उपयोगी है, पर उत्पाद का वर्तमान स्वरूप (जिसका न तो कोई आंतरिक मूल्य है और न ही कोई नियामक ढांचा) एक चुनौती पेश करता है कि 'प्रौद्योगिकी से कैसे लाभ उठाएं और क्रिप्टो की वर्तमान संरचना में निहित खतरनाक पहलुओं से कैसे बचें?'

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने वर्ष 2022–23 का केंद्रीय बजट पेश करते हुए घोषणा की थी कि भारतीय रिजर्व बैंक डिजिटल रुपया पेश करेगा। यह भारत की अपनी केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) होगी। सीबीडीसी एक डिजिटल भुगतान साधन है, जिसे राष्ट्रीय मुद्रा (भारतीय रुपया) में अंकित किया गया है। यह केंद्रीय बैंक, आरबीआई की प्रत्यक्ष देयता है। डिजिटल सॉवरेन करेंसी का यह नया रूप भारतीय रिजर्व बैंक में रखे गए भौतिक नकद रुपये या उसके भंडार के बराबर होगा।

यह आरबीआई द्वारा जारी और विनियमित किया जाएगा और भौतिक रुपये की तरह सॉवरेन गारंटी द्वारा समर्थित होगा। क्रिप्टो मुद्राओं को न तो किसी केंद्रीय बैंक ने जारी किया है और न ही यह कानूनी तौर पर मान्य है। क्रिप्टो मुद्राएं किसी संस्था की देयता नहीं हैं और न ही किसी संपत्ति द्वारा समर्थित हैं। अत्यधिक अस्थिरता के कारण उनके मूल्य में उतार–चढ़ाव आता है।

सीबीडीसी ई–रुपया रिजर्व बैंक द्वारा समर्थित है, जिसे जारी करने पर ई–रुपये की शेष राशि आरबीआई की बैलेंस शीट पर प्रतिबिंबित होगी और देश की बैलेंस शीट का भी हिस्सा बनेगी। इसलिए डिजिटल रुपया सीबीडीसी आरबीआई द्वारा जारी करेंसी नोटों का डिजिटल रूप है।

यह बैंक नोटों से बहुत अलग नहीं है, लेकिन डिजिटल होने के कारण, इसमें लेन–देन करना आसान, तेज और सस्ता होने की संभावना है। इसमें सभी तरह के डिजिटल धन के लेन–देन संबंधी सभी लाभ भी हैं, जैसे–सुरक्षा, सुविधा और पारदर्शिता। रिजर्व बैंक ने पिछले महीने भारतीय सीबीडीसी पर अपनी परिकल्पना के विवरण का खुलासा किया, और थोक में डिजिटल रुपये को लेन–देन में शामिल करने वाली पहली पायलट परियोजना एक नवंबर को लॉन्च की गई।

केंद्रीय बैंक ने थोक में डिजिटल रुपये की पहली पायलट परियोजना शुरू करने के लिए नौ बैंकों को नियुक्त किया है। एक महीने में रिजर्व बैंक खुदरा स्तर पर भी पायलट परियोजना शुरू करेगा। बैंक बचत की तरह डिजिटल वॉलेट में कोई डिजिटल बचत का पता लगा सकेगा। डिजिटल रुपया वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र में धन प्रवाह की व्यापक दृश्यता की अनुमति देगा। भारत में लोगों के पास 30 लाख करोड़ रुपये की एक बड़ी राशि है। लेकिन नीति–निर्माताओं को जरा भी अंदाजा नहीं है कि यह किसके पास, कब से और क्यों रखी हुई है।

डिजिटल सीबीडीसी होने से अधिक पारदर्शिता और बेहतर मौद्रिक नीति लक्ष्यीकरण भी संभव होगा। डिजिटल रुपये के उपयोग में वृद्धि के साथ भौतिक मुद्रा की छपाई, भंडारण और वितरण की लागत कम हो जाएगी। सीबीडीसी के व्यापक उपयोग से अर्थव्यवस्था का विनियमीकरण और वित्तीयकरण बढ़ेगा। कर संग्रह में भी सुधार होगा, क्योंकि कर विभाग पता लगाने में सक्षम होगा। कॉरपोरेट जगत के लिए, सीबीडीसी तत्काल निपटान, ट्रैकिंग और नियंत्रण की पेशकश करेगा। इससे अर्थव्यवस्था में समग्र टकराव भी कम हो जाएगा।

भारत में कोविड के बाद तेजी से डिजिटल भुगतान और यूपीआई के शुरू होने से बड़े पैमाने पर जनता को फायदा हुआ है। जन–धन खातों, मोबाइल डाटा पैठ और आधार के संयोजन ने वित्तीय परिदृश्य को काफी हद तक बदल दिया है। रेहड़ी–पटरी वाले दुकानदारों से लेकर पांच सितारा होटलों तक यूपीआई स्वीकृत है और क्यूआर कोड स्कैनिंग सार्वभौमिक हो गई है। इसने बड़ी संख्या में लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में शामिल किया है और अर्थव्यवस्था की गति बढ़ाई है।

हालांकि, अन्य देशों का अनुभव 'सीबीडीसी के साथ क्या नहीं करना है' से संबंधित कुछ सबक देता है। जब नाइजीरिया सीबीडीसी शुरू करने वाला पहला अफ्रीकी राष्ट्र बना, तो यह उस देश के लगभग चार करोड़ बिना बैंक खाते वाले लोगों को आंशिक रूप से निशाना बना रहा था। वहां इसके अब तक के नतीजे निराशाजनक रहे हैं।

हालांकि ई–नाइरा बिटकॉइन या एथेरियम के समान डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर तकनीक (डीएलटी) का उपयोग करता है और इसे डिजिटल वॉलेट में सहेजा जा सकता है। क्रिप्टोकरेंसी के लिए नाइजीरियाई लोगों का जुनून केंद्रीय बैंक की पेशकश तक सीमित नहीं है। शिक्षा और ग्राहकों के बदलते व्यवहार केंद्रीय बैंक के लिए सबसे बड़ी चुनौतियां रही हैं। पर नाइजीरिया का केंद्रीय बैंक उत्साहित है। 10 लाख लोगों को अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आकर्षित करने के बाद इसने अगले अगस्त तक 80 लाख लोगों को डिजिटल मंच पर लाने का लक्ष्य रखा है।

कुल मिलाकर, सीबीडीसी भविष्य का मार्ग है। हम अब भी डिजिटल रुपये के विकास के शुरुआती चरण में हैं और आगे कई चुनौतियां होंगी। अच्छी बात यह है कि सरकार और रिजर्व बैंक बहुत व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। यह व्यापक अर्थों में भविष्य का धन है और भारत ई–रूपी के लॉन्च के साथ इस भविष्य का नेतृत्व कर रहा है।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

अवैध धन वसूली पर डीआईओएस कार्यालय पर हंगामा : किया घेराव

अलीगढ़ ब्यूरो : जनता इंटर कॉलेज छेरत के प्रधानाचार्य द्वारा छात्रों से मोटी अवैध धन वसूली के आरोपों को लेकर बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पदाधिकारियों, छात्रों एवं अभिभावकों ने जिला विद्यालय निरीक्षक का कार्यालय में पहुंचकर घेराव करते बंधक बना लिया और घंटों जमकर हंगामा काटा। प्रदर्शनकारी भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह लोधी की अगुवाई में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानाचार्य व मामले में संलिप्त कॉलेज स्टाफ के खिलाफ मुकदमा और कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर घंटों हंगामा काटा। भाजयुमो पदाधिकारी अपनी दो मांगों पर घंटों अड़े रहे। पहली जांच कमेटी गठित कर 48 घंटे में रिपोर्ट देने और दूसरी प्रधानाचार्य को जांच के दौरान कार्यमुक्त कर कॉलेज में प्रवेश पर रोक लगाने की मांग रखी। इसे डीआईओएस मानने को तैयार नहीं हुए। वे जांच को ज्यादा वक्त देना चाहते थे और प्रधानाचार्य को कार्यमुक्त नहीं करना चाहते थे। इसको लेकर भाजपाइयों और डीआईओएस के बीच कई बार तीखी नोकझोंक तक हो गई। जिला महामंत्री धीरज चौधरी और जिला उपाध्यक्ष सौरभ चौधरी की डीआईओएस से भी जमकर तकरार हुई। भाजयुमो पदाधिकारियों का आरोप था कि प्रधानाचार्य पर लगे सभी आरोपों की पुष्टि के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध करा चुके हैं तो कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है? आखिर में डीआईओएस सुभाष बाबू ने पदाधिकारियों की दोनों मांगों को मानते हुए लिखित में जांच आदेश जारी कर दो दिन में जांच पूर्ण करने और प्रबंध समिति को जांच पूर्ण होने तक प्रधानाचार्य के कॉलेज

में प्रवेश पर प्रतिबंध रखने के वायदे के बाद पदाधिकारी शांत हुए। भाजयुमो के जिलाध्यक्ष धर्मवीर सिंह लोधी ने कहा कि उक्त मामले में आरोपी प्रधानाचार्य एवं उनके साथियों द्वारा कॉलेज में की जा रही अवैधा वसूली स्पष्ट रूप से भ्रष्टाचार का उदाहरण हैं। जो सूबे की स्वच्छ छवि की योगी सरकार को बदनाम करने की साजिश है। उन्होंने बताया कि अवैध वसूली की पुष्टि के लिए वीडियो समेत तमाम दस्तावेज और साक्ष्य उपलब्ध कराए गए हैं। यहां भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष राजीव शर्मा रज्जी, कार्यालय प्रमुख आकाश गुप्ता, सोशल मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र लोधी, कार्यकारिणी सदस्य आदित्य पंडित, राहुल लोधी, मंडल अध्यक्ष सनी चौधरी, रविकांत माहेश्वरी, अभिलाष चौहान, रूद्र सिंह, अनुसूचित मोर्चा जिला महामंत्री पंकज आर्य, टिंकू कुमार, अविनाश अग्रवाल, ललित राघव, शिवांग तिवारी, कुलदीप बघेल, गौरव, प्रदीप आदि मौजूद रहे। उधर, डीआईओएस सुभाष बाबू ने बताया कि प्रकरण की जांच के लिए राजकीय इंटर कॉलेज जबार के प्रधानाचार्य मनोरमा ठाकुर एवं राजकीय इंटर कॉलेज बरौली के प्रधानाचार्य सुमन बाबू को नामित किया गया है।

ओवरलोड डंपर दौड़ाकर बिगाड़ दी ग्रामीण सड़कों की सूरत, आना–जाना हो गया मुश्किल

गोरखपुर ब्यूरो : गोरखपुर जनपद में फोरलेन और एक्सप्रेसवे बनाने के लिए ग्रामीण सड़कों से डंपर से खूब मिट्टी–गिट्टी ढोई गई। ओवरलोड भारी वाहन दौड़ाने से 20 से अधिक ग्रामीण सड़कें ध्वस्त हो गईं। अब इन पर चलना ग्रामीणों के लिए मुश्किल हो रहा है। करीब एक साल होने जा रहा है सड़कों को बदहाल हुए, लेकिन वादे के बावजूद भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) इन्हें दुरुस्त नहीं करा रहे हैं। खराब सड़कों पर जिन ग्रामीणों को प्रतिदिन आवागमन करना पड़ रहा है वे कहते हैं कि फोरलेन और एक्सप्रेसवे बनाने के लिए जिले की ग्रामीण सड़कों की सूरत बिगाड़ दी गई है। शिकायत के बावजूद इन्हें ठीक नहीं कराया जा रहा है। ऐसी सड़कों पर चलने से लोग चोटिल हो रहे हैं। वाहन खराब हो रहे हैं। लोगों को अपने इलाज पर अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। वाहनों के रखरखाव का खर्च बढ़ गया है। यही नहीं, बहुत जरूरत होने पर ही कोई ग्रामीण इन रास्तों पर चलता है अन्यथा आनाजाना टाल देता है। सबसे अधिक दिक्कत ब्याह–शादी जैसे कार्यक्रमों और किसी के बीमार पड़ने पर होती है। दरअसल, गोरखपुर–वाराणसी फोरलेन बनाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों से डंपर से मिट्टी व गिट्टी ढोई गई। वहीं, बेलघाट से नौसड़ तक हो रहे एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए भी डंपर से मिट्टी–गिट्टी व बालू ढोई गई है। जानकार बताते हैं कि जिन डंपरों से मिट्टी जा रही थी उस पर 40 से 50 टन वजन होता था। जबकि ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों की क्षमता 10 से 12 टन का वजन बर्दास्त करने की होती है। इस तरह लगातार ओवरलोड डंपर चलने से ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें ध्वस्त हो गई हैं। गोरखपुर–वाराणसी फोरलेन के निर्माण की जिम्मेदारी एनएचएआई के जिम्मे है और एक्सप्रेसवे के निर्माण की जिम्मेदारी यूपीडा के पास है। इन्हीं संस्थाओं पर ग्रामीण सड़कों को खराब करने का आरोप है। इसलिए इन्हीं को इनकी मरम्मत करानी है, लेकिन ये इस तरफ ध्यान नहीं दे रही हैं। फोरलेन बनाने में ये सड़कें टूटीं रकहट–गोबरहियां मार्ग यातायात के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। रकहट में राप्ती नदी पर पुल बना है। यह देवरिया और गोरखपुर की सरहद को जोड़ता है। इस नाते यहां से काफी संख्या में लोग गोरखपुर–वाराणसी जाने के लिए गोबरहियां पहुंचते हैं। करीब एक साल पहले इस पर दिन रात चले डंपर की वजह से सड़क ध्वस्त हो गई है। पिछले साल जब अमर उजाला ने मामले को उठाया तो लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता ने कहा था कि जो भी सड़क डंपर चलने से टूटी हैं, उन्हें एनएचएआई बनवाएगा। मगर ऐसा हुआ नहीं। इसी तरह हाटा–असवनपार तथा असवनपार से रकहट मार्ग डंपर चलने से ध्वस्त हो गया है। इस रास्ते घेवरपार तथा सहुआकोल के पास से मिट्टी लादकर डंपर फोरलेन पर गिराने जाता था। इसी तरह कौड़ीराम ब्लॉक में स्थित गंभीरपुर–भलुआन मार्ग डंपर चलने से ध्वस्त हो गया है। वहीं,

गंभीरपुर–गगहा मार्ग डंपर चलने से कई स्थानों पर खराब हो गया है। एक्सप्रेसवे के कारण ये मार्ग हुए ध्वस्त पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण अंबेडकरनगर से होकर कम्हरियाघाट होते हुए नौसड़ तक हो रहा है। इसका निर्माण यूपीडा की तरफ से कराया जा रहा है। एक्सप्रेसवे पर मिट्टी व गिट्टी ढोने के लिए डंपर लगाया गया था। जिन रास्तों से डंपर गुजरे वे पूरी तरह से खराब हो गए हैं। पिपरी रोहारी मार्ग पर कहीं गिट्टी तक नहीं दिख रही है। इसी ब्लॉक में पड़ने वाला टिकुलीडाड़–महुलिया मार्ग ध्वस्त हो गया है। बेलघाट–हनुमान मंदिर मार्ग भी टूट गया है। टूटी सड़कों से ग्रामीणों का आवागमन मुश्किल बेलघाट ब्लॉक के टिकुलीडाड गांव के प्रधान धर्मेंद्र यादव का कहना है कि एक्सप्रेसवे बन रहा है यह तो ठीक है, लेकिन इसकी वजह से जो ग्रामीण सड़कें टूटी हैं उससे लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को इन्हीं रास्तों से रोज आना–जाना होता है। इनके खराब होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। बेलघाट ब्लॉक निवासी समाज सेवी राम ललित यादव का कहना है कि लिंक एक्सप्रेसवे निर्माण के लिए डंपर से मिट्टी ढोने के दौरान बहुत से मार्ग गड्ढों में तब्दील हो गए हैं। एक साल से ऐसे रास्तों से गुजरना मुश्किल हो गया है। सैकड़ों गांवों की लाइफ लाइन पूरी तरह ध्वस्त रकहट गांव निवासी हनुमान पांडे का कहना है कि रकहट–गोबरहियां मार्ग देवरिया जिले और गोरखपुर जनपद के कछार क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों की लाइफ लाइन जैसा है। इसी रास्ते देवरिया जिले के लोग गोरखपुर, बनारस, आजमगढ़ और मऊ तक आते–जाते हैं। एक साल पहले फोरलेन पर मिट्टी डालने के लिए चले डंपर ने सड़क को ध्वस्त कर दिया। विधानसभा चुनाव के दौरान सड़क के केवल गड्ढे भरे गए थे। सरकार से मांग है कि इसे जल्द ठीक किया जाए। अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड प्रवीण कुमार ने कहा कि एनएचएआई ने फोरलन और यूपीडा ने लिंक एक्सप्रेसवे पर मिट्टी डालने के लिए खूब डंपर चलवाए हैं। इससे लोक निर्माण विभाग की 20 से अधिक ग्रामीण क्षेत्र की सड़कें टूट गई हैं। इन्हें ठीक कराने की जिम्मेदारी इन्हीं संस्थाओं की है। लोक निर्माण विभाग ने शासन से लेकर संबंधित संस्थाओं के आला अधिकारियों तक को पत्र लिखा था। तब आश्वासन दिया गया था कि टूटी सड़कों को ठीक करा दिया जाएगा, मगर ऐसा नहीं किया गया। अब इसकी शिकायत शासन से की जाएगी।

पुलिस ने किया 2 वारण्टी गिरफ्तार

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : खेतासराय पुलिस ने शुक्रवार को फरार चल रहे दो वारंटी को उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष यजुवेंद्र कुमार सिंह ने बताया वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी के अभियान के क्रम में खेतासराय पुलिस टीम द्वारा शुक्रवार को दो वारंटी सुरेश निवासी सीधा थाना खेतासराय तथा ताहिर निवासी वार्ड नं 11 जोगियाना थाना खेतासराय को उनके घर से गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार करने के बाद विधिक कार्यवाही कर सम्बन्धित आरोपियों को न्यायालय भेजा जा रहा है।

माइक लिया गले में फंदा डाला और पेड़ पर चढ़कर मुख्यमंत्री से मिलने की किया मांग

लखनऊ ब्यूरो : मुख्यमंत्री आवास से करीब 500 मीटर दूर एक युवक पेड़ पर चढ़ गया। उसने गले में फंदा डाल रखा था और माइक लेकर मुख्यमंत्री से मिलवाने की मांग कर रहा था। पेड़ से उसने पर्चे फेंका, जिस पर लिखा था कि हिंदू–देवी देवताओं का जो अपमान करें हम उसे वोट क्यों दें। इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही इंस्पेक्टर गौतमपल्ली सुधीर कुमार, एसीपी हजरतगंज अरविंद कुमार वर्मा व अन्य पुलिस कर्मी पहुंचे। पुलिस ने युवक के द्वारा फेंके गए पर्चे उठाए। मान मनौव्वल शुरू की। मुख्यमंत्री से मिलवाने का आश्वासन दिया। करीब दो घंटे की मान मनौव्वल के बाद उसे नीचे उतारा गया। पुलिस उसे लेकर थाने चली गई। एसीपी के मुताबिक कि पूछताछ में पता चला कि वह मुजफ्फरनगर के मौराकला हिलौली का रहने वाला कल्लू है। युवक के पास पीएम मोदी, सीएम योगी और दिल्ली के सीएम केजरीवाल की फोटो भी थी। पर पुलिस ने इस बात से इंकार किया है। इंस्पेक्टर गौतमपल्ली के मुताबिक कल्लू ने बताया कि

उसे गांव में मकान बनवाने के लिए पट्टे की जमीन चाहिए। वह मकान बनवाना चाहता है। पर जमीन नहीं मिल रही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि कल्लू ने मुजफ्फरनगर में अपनी तहसील अथवा जिलाधिकारी के पास कोई इस संबंध में प्रार्थनापत्र नहीं दिया है। न ही अबतक कभी सीएम से मिलने के लिए कोई अर्जी लगाई थी। घरवालों से बात की गई तो पता चला कि कल्लू को हाइपर टेंशन की बीमारी है। उसका इलाज भी चल रहा है। मुजफ्फरनगर पुलिस को सूचना दे दी गई है। पुलिस को सौंप दिया जाएगा।

हाईकोर्ट में पेश हुए डीएम नगर आयुक्त और सीएमओ : कोर्ट ने वार्डवार कमेटी बनाकर दिया रोकथाम का निर्देश

प्रयागराज ब्यूरो : प्रयागराज में डेंगू के बढ़ते मामलों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। हाईकोर्ट में डीएम– सीएमओ और नगर आयुक्त पेश हुए। हाईकोर्ट ने मामले में फिर से कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने अधिकारियों को मामले में लापरवाही न बरतने का सख्त निर्देश दिया। प्रयागराज में सभी वार्डों में कमेटी गठित कर मानीटरिंग करने का निर्देश दिया। वार्ड के कार्पोरेटर, डॉक्टर, इलाके में रहने वाले वकील, नगर निगम कर्मचारी व संभ्रांत लोगों को कमेटी में शामिल किया जाए। वार्डवार हालातों की समीक्षा करते हुए जरूरी प्रभावी कदम उठाने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने कोर्ट को बताया दो दिनों के अंदर एंटी लार्वा के छिड़काव की नई मशीन आ जाएगी। इससे फॉगिंग का कार्य तेजी से हो सकेगा। हाईकोर्ट बार के अध्यक्ष आरके ओझा व अन्य वकीलों ने हाईकोर्ट से मॉनिटरिंग का अनुरोध किया। कोर्ट ने इस अनुरोध को मंजूर करते हुए बुधवार को फिर से सुनवाई की बात कही है। बुधवार नौ नवंबर को मामले की अगली सुनवाई होगी। डेंगू के बढ़ते मामलों पर हाईकोर्ट ने मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट ने इससे पहले सुनवाई कर अफसरों को कड़ी फटकार

लगाई थी। हाईकोर्ट की फटकार के बाद सूबे के चीफ सेक्रेट्री और डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक प्रयागराज पहुंचे। यहां आकर अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें जरूरी दिशा निर्देश दे चुके हैं। यूपी में प्रयागराज जिले में हैं डेंगू के सबसे ज्यादा मामले हैं। जिले में अब तक तकरीबन एक हजार लोगों की एलाइजा रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी है। इसके साथ ही छह लोगों की मौत भी हो चुकी है। चीफ जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस जेजे मुनीर की डिवीजन बेंच में मामले की सुनवाई हुई।

सरकारी क्रय केंद्रों पर खरीदा जा सका एक महीने में सिर्फ 50 क्विंटल धान

अलीगढ़ ब्यूरो : जिले में सरकारी धान क्रय केंद्र एक अक्तूबर से खुल गए हैं, लेकिन वहां किसान नहीं पहुंच रहे हैं। एक महीने में केवल छर्रा के धान क्रय केंद्र पर ही 50 क्विंटल धान खरीदा जा सका है। बाकी केंद्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ है और यहां किसानों का इंतजार हो रहा है। इस बार 19 हजार मीट्रिक टन धान खरीद का लक्ष्य रखा गया है। इसका सबसे बड़ा कारण अलीगढ़ मंडल में मोटे धान (कामन व ग्रेड वन) की पैदावार कम होना भी है। यहां के किसान बासमती एवं सुगंधा चावल उगाते हैं। किसान क्रय केंद्रों पर अपना धान ले जाने की बजाय सीधे व्यवसायियों के पास जाकर बेच रहे हैं। जिले में करीब 10 हजार हेक्टेयर में धान की पैदावार होती है, जबकि, अधिकांश किसान सुगंधा एवं बासमती चावल की खेती करते हैं। सरकारी क्रय केंद्रों पर सिर्फ मोटा धान ही खरीदा जाता है। उत्पादन के हिसाब से खरीद के लक्ष्य भी तय होते हैं। मगर, अब पिछले साल हुई खरीद के आधार पर इस बार लक्ष्य तय हुए हैं जो कई गुना बढ़े हुए हैं। धान खरीद के लिए जिले में 35 सरकारी क्रय केंद्र खुल गए हैं। हालांकि, अभी तक इन क्रय केंद्रों से किसान नदारद हैं। मोटे धान की आवक न होने से सरकारी क्रय केंद्रों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। बृहस्पतिवार को अमर उजाला ने धान क्रय केंद्रों का जायजा लिया। धनीपुर अनाज मंडी में तीन क्रय केंद्रों पर बैनर, कांटे तो लगे हुए हैं, लेकिन अभी तक एक भी दाना धान नहीं खरीदा जा सका है। यही हाल गभाना के सोमना सहकारी समिति स्थित क्रय केंद्र पर भी देखने को मिली। यहां खरीद का बैनर लगा हुआ है। कर्मचारियों के अनुसार अभी तक किसी किसान ने धान क्रय केंद्र के बारे में जानकारी तक नहीं ली है। अतरौली, खैर, इगलास में खुले क्रय केंद्रों पर भी किसान धान लेकर नहीं पहुंचे हैं। अनाज मंडी में धान के लग रहे ढेर जिले में धनीपुर, छर्रा, अतरौली, खैर, इगलास, हरदुआगंज, गभाना आदि अनाज मंडियों में बड़ी मात्रा में किसान धान लेकर पहुंच रहे हैं। धान की आवक बढ़ने से मंडियों में चहल–पहल शुरू हो गई है। इससे आढ़ती एवं धान कारोबारियों के चेहरे खिल उठे हैं। अनाज मंडी में इस समय बासमती, शरबती, सुगंधा आदि वैरायटी के धान ही पहुंच रहे हैं। आढ़तों पर धान की कीमत अधिक होने के चलते किसान एमएसपी पर इन वैरायटी की बिक्री नहीं कर रहे हैं। सरकारी क्रय केंद्रों पर सामान्य धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2040 रुपये प्रति क्विंटल है। ग्रेड–एक का धान 2060 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा। क्रय केंद्रों पर पर्याप्त मात्रा में बोरों की उपलब्धता है। इस बार धान की खेती देरी से होने के कारण खरीद शुरू नहीं हो पायी है। उम्मीद है अगले सप्ताह से इसमें और तेजी आएगी। – राजीव कुमार कुलश्रेष्ठ, जिला खाद्य विपणन अधिकारी

इंसाफ के लिए आठ माह से दर–दर भटक रही मां : पैसठ शिकायत के बाद भी नहीं हुई कोई कार्यवाही

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : क्षेत्र के लमहन निवासी उर्मिला देवी आठ माह से उच्च अधिकारीयों और पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि बीते 19 फरवरी को मेरे 22 वर्षीय पुत्र अनंत कुमार निषाद को गांव के ही विकास निषाद पुत्र शिव आनंद निषाद बहला फुसलाकर अपने मोटरसाइकिल यूपी 62 बी वी 4934 पर बैठाकर साजिश के तहत यह कह कर ले गया कि क्षेत्र के पुरागंभीर शाह निवासी शंभूनाथ सरोज इलाहाबाद बुलाया है जहा रास्ते में विकास अपने कुछ मित्रों के साथ साजिश करके मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र के मधुपुर गांव के पास मेरे बेटे को मारपीट कर छोड़ दिया । घटना स्थल से लोगो ने एंबुलेंस से सीएचसी सुजानगंज में भर्ती कराया गया जहां से चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया । स्थिति गंभीर देख डाक्टरों ने वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया । जहा 7 मार्च इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई । परिजन विकास और शंभूनाथ सरोज से पूछताछ किए तो कुछ नहीं बताए ।वहीं पीड़िता ने बताया कि एक व्यक्ति का मोबाइल पर फोन आया और कहा कि ज्यादा पूछताछ करोगी तो तुम्हारे दूसरे लड़के को मार कर खत्म कर दिया जायेगा । जिसकी तहरीर मुंगराबादशाहपुर थाने पर दिया लेकिन पुलिस मुकदमा नहीं दर्ज किया पीड़िता जिसकी लिखित शिकायत, जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री, पुलिस अधीक्षक, उपजिलाधिकारी बदलापुर, एसओ मुंगराबादशाहपुर, महराजगंज, सुजानगंज को दिया । वहीं मुगरा बादशापुर पुलिस ने रिपोर्ट लगाया कि हमारे थाना क्षेत्र में कोई घटना नहीं हुई है महराजगंज पुलिस अपनी रिपोर्ट में बताया कि यह मामला मुंगरा बादशाहपुर थाना क्षेत्र का है । सुजानगंज थाना क्षेत्र से मामले की जांच कराई जाये । सुजानगंज पुलिस ने कहा कि हमारे क्षेत्र की घटना नहीं है जिसके कारण पीड़िता दर–दर भटकने को मजबूर है।

बिना जल के मानव जीवन असंभव : कुलसचिव

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के सरस्वती सदन के बाहर बृहस्पतिवार को भारत जल सप्ताह 2022 के अंतर्गत जल भरो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कलश में पानी इक्कट्ठा करके जल संरक्षण के महत्व को बताया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य की प्रेरणा से शासन के हर कार्यक्रम को विश्वविद्यालय महत्वपूर्ण ढंग से मनाता है। इस अवसर पर कुलसचिव ने कहा कि जल ही जीवन है। बिना पानी के मानव जीवन असंभव है। भारतीय संस्कृति में जल ना केवल इस जीवन में बल्कि जीवन के बाद की यात्रा में भी महत्वपूर्ण है, बिना जल के कोई भी कर्मकांड संभव नहीं है। इसलिए जल संसाधनों के सतत विकास के प्रति हमें सजग रहने की जरूरत है। वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने रहीम दास का दोहा रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून। पानी गये ना ऊबरे, मोती मानुष चून को कोड करते हुए जल संरक्षण पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस मौके पर आईक्यूएसी सेल के समन्वयक प्रो. मानस पांडेय ने कहा कि जल का उपयोग खेती के लिए भी प्रमुख है और बढ़ती जनसंख्या को आने वाले समय में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना एक बहुत बड़ी समस्या होगी इसलिए पानी का संचय बहुत जरूरी है। जनसंचार विभाग के डा. मनोज मिश्र ने कहा कि आने वाले दिनों में पूरे विश्व के सामने जल संकट दिखाई दे रहा है। हमें इसे

चुनौती के रूप में अभी से स्वीकार लेना चाहिए। जल संरक्षण के लिए हम सबको आगे आने की आवश्यकता है। मीडिया प्रभारी डा. सुनील कुमार ने कहा कि जल संरक्षण को हमें अपने घर से शुरू करने की जरूरत है. तभी हम दूसरे को रोक सकते हैं। घर में उपयोग होने वाली अत्याधुनिक मशीनों से स्वच्छ पानी ज्यादा नुकसान हो रहा है इसपर विचार करने की जरूरत है। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह, सहायक कुलसचिव अजीत सिंह, श्रीमती बबिता सिंह. प्रो. वंदना राय, प्रो रामनारायन, प्रो. बी.डी शर्मा, डा. प्रमोद यादव, डा. रसिकेश, डा. गिरधर मिश्र. डा. पुनीत धवन, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा. अमित वत्स, एमएम भट्ट, रमेश पाल, स्वतंत्र कुमार, रजनीश सिंह. संतोष कुमार मौर्य, हरिनाथ समेत शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी भी मौजूद रहे।

बदलापुर महोत्सव के सांस्कृतिक मंच से सम्मानित हुए युवा तुर्क

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जनपद जौनपुर में सामाजिक विमर्श से जुड़े मुद्दों पर दलगत राजनीति से उपर उठकर संघर्ष करने वाले युवा तुर्क की भूमिका निभा रहे विकास तिवारी व अतुल सिंह को बदलापुर महोत्सव कार्यक्रम के सांस्कृतिक मंच से प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार राज्य मंत्री दयाशंकर मिश्र ''दयालु'' द्वारा समाज में उनके द्वारा किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। अगर राजनैतिक रूप से विकास तिवारी कांग्रेस पार्टी से सम्बन्ध रखते हैं तो वही अतुल सिंह समाजवादी पार्टी के सदस्य है, लेकिन इन लोगों के संयुक्त प्रयास से जनपद जौनपुर में ''सेतु निर्माण संघर्ष समिति'' बनाकर पिछले दस वर्षों से अधुरे पड़े चार सेतु अखडो देवी घाट सेतु जमैथा धर्मापुर,मई पसेवां घाट सेतु, वीरमपुर भडेहरी घाट सेतु व धनेजा घाट सेतु के लिए बड़ा आन्दोलन किया गया इनकी मांगों को प्रदेश सरकार ने गम्भीरता से लिया और वर्तमान समय में सभी पुल लगभग बनकर तैयार हैं। इनके द्वारा ''कानून का अधिकार'' को शिक्षा का अधिकार की ही तरह मौलिक अधिकार का दर्जा दिलाने के लिए वर्ष 2018 से अभियान चलाया जा रहा हैं। इनका मानना है कि यदि कार्टून के माध्यम से प्राइमरी एजुकेशन से ही बच्चो को कानून की शिक्षा दी जायेगी तभी समाज में अपराध को रोका जा

सकता है। इन युवाओं ने ''दोहरा मुक्त जौनपुर'' अभियान चलाकर जनपद जौनपुर व देश के भविष्य युवाओं को अखाद्यय मादक पदार्थ जिसे खाने से कैंसर होता है,से मुक्ति दिलाई तथा इनके अगुवाई में प्रदेश की खाली रक्त ईकाई को भरने के लिए 15 अगस्त 2022 को विकास खण्ड–मुफ्तीगंज के डा.राममनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय में 557 यूनिट रक्तदान करने प्रदेश का कीर्तिमान भी बना। इन युवाओ के द्वारा सामाजिक सरोकार से जुड़े कई मुद्दों पर मुखर होकर आवाज उठायी गयी और सफलता भी प्राप्त हुई इसलिए इन्हें राजनैतिक रूप से विपरीत विचारधारा की पार्टी से सम्बद्ध होने बाद भी बदलापुर के सांस्कृतिक मंच से सम्मानित किया गया। विकास तिवारी व अतुल सिंह का संयुक्त रूप से कहना है कि समाज को अपराध मुक्त बनाने के लिए हम कानून के अधिकार को मौलिक अधिकार का दर्जा सरकार से दिलाना चाहते हैं तथा हमारा मोहल्ला स्तर पर ''लीगल एड क्लीनिक'' खोलकर लोगों को कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की योजना है साथ ही जनपद जौनपुर मे बौद्धिक जनों का वर्कशाप आयोजित करके उनके द्वारा सुझाए गये बिन्दुओं को अमल में लाते हुए समाज को अपराध मुक्त बनाने की रणनीति पर कार्य किया जायेगा।

अग्निवीर की अग्नि परीक्षा की तैयारी में जुटे युवा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : स्थानीय राजा हरपाल सिंह इंटर कालेज स्टेडियम और शंकर बाबा मैदान पर सैकड़ो युवा सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ और अन्य अर्द्धसैनिक बलों के साथ ही पुलिस भर्ती के लिए फिजीकल टेस्ट पास करने को पसीना बहाते रहते हैं। यहां के दो दर्जन से अधिक युवा वर्तमान में भी सीमा की रक्षा करने को सेना में भर्ती हैं। सरकार ने जब पिछले दिनों सेना भर्ती के लिए नई नीति अग्निपथ की घोषणा की थी तो कुछ युवाओं में इसका विरोध हुआ था।इस दौरान सरकार की ओर से भी लगातार नई भर्ती नीति अग्निपथ में शामिल होने वाले अग्निवीरों के लिए कई संस्थानों, अर्द्धसैनिक बलों और अन्य नौकरियों में प्राथमिकता की घोषणा की गई । तो क्षेत्र के युवा अब अग्निवीर बनने के लिए अग्निपथ की भर्ती की तैयारियों में जुट गए हैं। राजा हरपाल सिंह इंटर कॉलेज में दूर दूर से युवा आकर रोजाना कई वर्षो से अभ्यास करते हैं।रोजाना सुबह शाम कॉलेज,स्टेडियम,सड़को सहित कई जगहों पर युवा पसीना बहाते हुए दिखते हैं। प्रैक्टिस कर रहे राजकेशर यादव का कहना है कि बचपन से ही सेना में जाने का जज्बा है ।मैं कई वर्ष से तैयारी कर रहा था। अग्निपथ योजना आने से मन को ठेस लगी थी लेकिन अब सरकार ने चार साल के बाद नौकरियों में प्राथमिकता का आश्वासन दिया है। जो हुआ वह ठीक ही है, अग्निवीर बनने को पूरी तैयारी कर रहा हूं। प्रदुम उपाध्याय, सुशील यादव, बंटी, कोमल मिश्र, विपिन यादव, शुभम एक साथ मिलकर फिजीकल टेस्ट की तैयारी कर रहे हैं। सुबह सिंगरामऊ से लेकर ढकवा तक सड़क पर एक साथ दौड़ लगा रहे हैं। उनका कहना है कि सेना में भर्ती का जज्बा है। लंबे समय तक देश की सीमा की रक्षा करना चाहते थे अब अग्निवीर बनकर जितना समय मिलेगा उतना करेंगे।

एक हफ्ता बाद भी नहीं हुआ लाखों की चोरी का खुलासा : पुलिस अन्धेरे में चला रही है सिर्फ तीर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जलालपुर थाना क्षेत्र के सिरकोनी बाजार में बीते 28 अक्टूबर की रात में ज्वेलर्स की दुकान के दरवाजे का ताला तोड़कर नगदी समेत लाखों के आभूषण की हुई चोरी का खुलासा करने में पुलिस फिसड्डी साबित हो रही है। एक सप्ताह का समय बीत गया पुलिस चोरों को पकड़ने के लिए सिर्फ अंधेरे में तीर चला रही है। चोरी का खुलासा न होने से व्यापारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। महिमापुर गांव निवासी राजकुमार सेठ का वाराणसी–लखनऊ नेशनल हाईवे के पास सिरकोनी बाजार में ज्वेलर्स की दुकान है वह रोज की तरह 28 अक्टूबर को दुकान बंद करके अपने घर चले आए 29 अक्टूबर की सुबह पता चला कि दुकान का दरवाजा तोड़कर चोर तिजोरी खेत में उठा ले गए हैं और दुकान में रखे दस हजार नगदी सहित लाखों के आभूषण गायब है। चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई कुछ देर बाद डाग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। काफी प्रयास के बाद भी चोरों का कोई सुराग पुलिस के हाथ नहीं लगा। उस समय पुलिस चोरी का जल्द खुलासा करने की दवा करके व्यापारियों के आक्रोश को किसी तरह शांत कराया परंतु एक सप्ताह का समय बीत जाने के बाद भी पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम है। दुकान मालिक के मुताबिक नगदी सहित चोर करीब सात लाख मूल्य के आभूषण उठा ले गए हैं। दुकान मालिक राजकुमार सेठ ने कहा यदि स्थानीय पुलिस चोरों को जल्द गिरफ्तार करके मेरा माल बरामद नहीं करती है तो हम व्यापारी अपनी मांग लेकर उच्चाधिकारियों के पास जाएंगे।

केजीएमयू से फरार कैदी का बाग में लटका मिला शव

लखनऊ ब्यूरो : केजीएमयू के शताब्दी अस्पताल से फरार कैदी विशंभर का शव बृहस्पतिवार सुबह इटौंजा के बेलवा गांव स्थित बाग में पेड़ से लटकता मिला। उसके जेब से मिले कागज में लिखे नंबर से पुलिस ने

शिनाख्त की। एएसपी ग्रामीण डॉ. हृदयेश कठेरिया के मुताबिक, मूलरूप से लखीमपुर के तेतारपुर फूलबेहड़ निवासी विशंभर हत्या के मामले में शाहजहांपुर जेल में सजा काट रहा था। कैंसर के इलाज के लिए उसे 20 अक्तूबर को शताब्दी अस्पताल लाया गया था। मंगलवार की रात मौका पाकर वह भाग निकला था। इसका मामला चौक थाने में दर्ज है। बृहस्पतिवार सुबह विशंभर का शव सीतापुर हाईवे किनारे इटौंजा थानाक्षेत्र के बेलवा गांव स्थित जगदीश के आम के बाग में गमछा व शॉल के सहारे पेड़ से लटकता मिला। शिनाख्त न होने पर इटौंजा पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था, जहां मृतक की जेब से कुछ कागजात और फोन नंबर मिले। इसके सहारे परिजनों से संपर्क कर शिनाख्त करवाई गई।

रोटावेटर की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत

बाराबंकी ब्यूरो : खेत की जुताई करते समय गिरे मोबाइल को उठाने के चक्कर में किसान युवक रोटावेटर में फंस गया। उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना सफदरगंज थाना क्षेत्र के सैदनपुर में हुई। राम

नरेश रावत का 22 वर्षीय पुत्र मोनू रावत शुक्रवार सुबह गांव के बाहर नहर के किनारे ट्रैक्टर से जुताई कर रहा था। इस दौरान उसका मोबाइल नीचे गिर गया। उसने रोटावेटर को चालू रखते हुए ट्रैक्टर रोक दिया। रोटावेटर के पास गिरे मोबाइल को उठाने के लिए जैसे ही झुका उसका हाथ रोटावेटर के कटर की चपेट में आ गया और रोटावेटर ने उसे अपनी ओर खींच लिया। इस दर्दनाक हादसे में कुछ ही देर में मोनू की मौत हो गई। उसके शरीर के टुकड़े हो गए। सूचना पाने के बाद मौके पर पुलिस पहुंची है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा है। सफदरगंज के थानाध्यक्ष अभिषेक तिवारी ने बताया कि खेत में गिरे मोबाइल को उठाने के चक्कर में घटना हुई।

महगाई पर सरकार के खिलाफ बोलने पर पूर्व कैबिनेट मंत्री वर्तमान विधायक कतराए

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : 4 नवम्बर स्थानीय विकास खंड के रामपुर बाजार में अभिशेष मेडिकल का उद्घाटन मुख्य अतिथि जफराबाद के भासपा विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री जगदीश नारायन राय ने फीता काट कर उद्घाटन किया । उद्घाटन के बाद जब पूर्व कैबिनेट मंत्री भासपा विधायक से पत्रकारो ने महगाई पर सवाल किया तो पूर्व मंत्री भासपा विधायक ने सरकार के खिलाफ जबाब देने के बजाय जनता पर छोड़ दिए कि जनता देखे सरकार को क्या कहे इस अवसर पर ललल्न यादव एडोवोकेट आन्नद राय,ललल्न राय,अभिशेष यादव,अरूण कुमार,जंगली,कन्हैया मौर्य आदि लोग उपस्थित रहे।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देख गौराबादशाहपुर नगर पंचायत में कराई गई फॉगिंग

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मच्छर जनित बीमारी डेंगू के बढ़ते प्रकोप से नगर व आसपास के आमजन में भय का माहौल व्याप्त है, लोग हल्के बुखार को भी डेंगू समझकर भयभीत हो जा रहे हैं। डेंगू के बढ़ते प्रकोप पर नियंत्रण के लिये किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के लिए जब ईओ नगर पंचायत गौराबादशाहपुर डॉ अनुपम सिंह से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि इस समय नगर पंचायत के कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन शाम चार बजे से रात के 9 बजे तक वार्ड चोरसंड़ दक्षिण, नयनसंड़, सखैला, बमैला, गौरा दक्षिण, बंजारेपुर उत्तरी लीलहा सहित सभी वार्डो में फॉगिंग की जा रही है। बृहस्पतिवार शाम को भी फॉगिंग कराई गई। जल निकासी हेतु बनायी गयी नालियों में मच्छर मारने की दवा और फागिंग मशीन से धुँआ किया जा रहा था परन्तु मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के देखते हुये प्रतिदिन दवा का छिड़काव और फागिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से भी एहतियात बरतने की अपील करते हुए कहा कि अपने घर के आस–पास कहीं भी पानी न जमा होने दें कूलर या छत पर पड़े यह खाली बर्तनों का पानी गिरा कर उन्हें खाली कर दें रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।

डोर टू डोर दवाओं के वितरण के साथ हुआ टीकाकरण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : सिरकोनी विकासखंड के हुसेपुर गांव में शुक्रवार को पशुपालन विभाग की तरफ से टीकाकरण किया गया तथा दवाएं वितरित की गई। लंपी बीमारी को देखते हुए पूरे प्रदेश में टीकाकरण करने का सरकार द्वारा निर्देशित किया गया। हैं। उसी के तहत आज हुसेपुर गांव में डोर टू डोर जाकर डॉक्टरों की टीम ने पशुओं को टीका लगाया तथा आवश्यक दवाएं दी पशुओं में होने वाली बीमारी से बचाव के जरूरी उपाय पशुपालकों को बताए गए। डॉ संजय कुमार पांडे ने बताया कि सरकार का निर्देश है कि हम लोग घर घर जाकर टीका लगाएं तथा दवाएं दें। लंपी बीमारी की वजह से हम लोग पशुओं को एक जगह इकट्ठा नहीं कर सकते। जिससे वायरस फैलने का खतरा ना बढ़े तथा बीमारी को रोका जा सके। इस मौके पर टीम के साथ जलालपुर से डॉ संजय कुमार पांडे, राजेपुर से डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह, अजय यादव, विनोद यादव, रजनीकांत उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली को लिए सात नवम्बर को धरना सफल बनाने के लिए बनायी रणनीति

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के तत्वावधान में 1 अप्रैल 2005 के पूर्व राज्य कर्मचारियों को मिलने वाली पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू किए जाने की मांग को लेकर सात नवम्बर को आयोजित जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन की रणनीति को सफल बनाने के लिए ब्लाक में शुक्रवार को कर्मचारियों की बैठक हुई! बैठक को सम्बोधित करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष डा0 प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि सात नवम्बर को जिला मुख्यालय पर आयोजित धरना प्रदर्शन में आठ सूत्रीय मांग का ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा प्रदेश शासन के मुख्य सचिव को सौंपा जाएगा! धरना प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए कर्मचारियों से आह्वान किया कि आप सब अधिक से अधिक संख्या में जिला मुख्यालय पर पहुंचे! उन्होंने कहा कि आठ सूत्रीय मांग में महत्वपूर्ण मांग राज्य कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली की है! राज्य कर्मचारियों, शिक्षकों, एवं पेंशनर्स के रोके गये कोविड काल के डेढ़ वर्ष के फ्रीज एवं महगाई व भत्ते को बहाल किये जाने जैसे मुद्दे भी शामिल हैं! कर्मचारियों को जागरूकता का संदेश संघ के मंत्री देवेश कुमार यादव, जिला संप्रेक्षक अमर बहादुर यादव, प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेजबहादुर यादवयादव ने भी दिया! मौके पर दुर्गेश तिवारी, अजय विनय यादव, राज कुमार मौर्य, अनूप सिंह, आदि लोग मौजूद थे! कार्यक्रम में बदलापुर ब्लॉक के कर्मचारियों ने अपने नेता को माल्यार्पण कर उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कर्मचारी एकता जिंदाबाद का नारा लगाया!

डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देख गौराबादशाहपुर नगर पंचायत में कराई गई फॉगिंग

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मच्छर जनित बीमारी डेंगू के बढ़ते प्रकोप से नगर व आसपास के आमजन में भय का माहौल व्याप्त है, लोग हल्के बुखार को भी डेंगू समझकर भयभीत हो जा रहे हैं। डेंगू के बढ़ते प्रकोप पर नियंत्रण के लिये किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी के लिए जब ईओ नगर पंचायत गौराबादशाहपुर डॉ अनुपम सिंह से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि इस समय नगर पंचायत के कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन शाम चार बजे से रात के 9 बजे तक वार्ड चोरसंड़ दक्षिण, नयनसंड़, सखैला, बमैला, गौरा दक्षिण, बंजारेपुर उत्तरी लीलहा सहित सभी वार्डो में फॉगिंग की जा रही है। बृहस्पतिवार शाम को भी फॉगिंग कराई गई। जल निकासी हेतु बनायी गयी नालियों में मच्छर मारने की दवा और फागिंग मशीन से धुँआ किया जा रहा था परन्तु मच्छरों के बढ़ते प्रकोप के देखते हुये प्रतिदिन दवा का छिड़काव और फागिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से भी एहतियात बरतने की अपील करते हुए कहा कि अपने घर के आस–पास कहीं भी पानी न जमा होने दें कूलर या छत पर पड़े यह खाली बर्तनों का पानी गिरा कर उन्हें खाली कर दें रात में सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।

डाकघर की मनमानी से अभिकर्ता हलकान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : आवर्ती डाकघर बचत योजना में बचत संगठन द्वारा डाक घर में पिछले महीने 25 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक धनराशि जमा नहीं कराया जा सका! जिससे डाकघर को जहाँ लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा वहीं अभिकर्ताओं के कमीशन का भी भारी नुकसान हुआ है! इस बात को लेकर महिला अभिकर्ताओं में क्रमशः चन्द्रकला सिंह, अनीता, रेनू देवी,, साधना सिंह, रेनू शुक्ला, उपासना भारती तथा कल्याणी निगम आदि लोगो में डाक विभाग की कार्य प्रणाली पर खासा आक्रोश है! अभिकर्ताओं का आरोप है कि डाकघर द्वारा ऐसी लापरवाही महीने के अन्तिम सप्ताह में बरती जाती है! डाकघर द्वारा धनराशि जमा करने में नेटवर्क खराब अथवा स्टाफ की कमी का बहाना किया जाता है! तहसील मुख्यालयों पर स्थित डाकघर में जहाँ फिनाइकल पर उपभोक्ताओं का काम करना चाहिए वहीं एकल व्यवस्था पर काम करवाया जाता है! इस लापरवाही में कहीं न कहीं से डाकघर के उच्चा अधिकारियों की संलिप्तता भी बतायी जा रही है! सूकन्या खाता, पी पी एफ खाता, आई वी पी, प्रधानमंत्री वीमा सुरक्षा योजना, पी एल आई सहित तमाम काम डाकघर से प्रभावित है! यहाँ तक पिछले तीन महीने से यहाँ आधार कार्ड भी नहीं बन पा रहा है! डाकघर के उप डाकपाल अशोक कुमार ने पूछे जाने पर बताया कि मात्र दो दिन सर्वर डाउन होने के कारण धनराशि नही जमा कराई गयी थी! कर्मचारियों के अभाव के कार्य यदा कदा कार्य प्रभावित रहता है!

15 दिनों में एक करोड़ हिंदुओं को जोड़नें का लक्ष्य : डेढ़ लाख गांव तक पहुंचेगा विहिप का हितचिंतक अभियान

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : 6 नवंबर से प्रारंभ होने वाले पखवाड़े में विश्व हिंदू परिषद् देश के डेढ़ लाख गांवों तक पहुंच कर एक करोड़ से अधिक हिन्दूओं को जोड़ेगा। उक्त बातें सह प्रांत विश्व हिन्दू परिषद काशी प्रांत के कृष्ण कुमार जायसवाल ने मुंगराबादशाहपुर नगर के मोहल्ला साहबगंज अपने आवास पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहीं। उन्होंने बताया कि 2024 में विश्व हिन्दू परिषद् की स्थापना के साठ वर्ष पूर्ण हो जायेंगे इसके निमित्त षष्टि पूर्ती के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के इस देश व्यापी हितचिंतक अभियान को सर्वस्पर्शी बनाने हेतु 6 नवंबर से 20 नवंबर तक हम समाज के हर जाति मत पंथ संप्रदाय से संपर्क कर उन्हें हिन्दू समाज व राष्ट्र हित के कार्यो से जोड़ेंगे ।अभियान में विशेष वर्ग के लोगों को जोड़ने हेतु विशेष संपर्क भी किया जाएगा। इसके अन्तर्गत डॉक्टरों, इंजीनियरों, चार्डर्ड अकाउंटेंटों, वकील, पूर्व जजों, गायकों, अभिनेताओं, खिलाड़ियों इत्यादि यानी सभी तरह के सेलेब्रिटी को भी जोड़ेंगे ।उन्होंने ने कहा कि हितचिंतक अभियान की टोलियों का लक्ष्य भारत के एक लाख गांवों तक जाकर एक करोड़ हितचिंतक बनाने का है। इसके अंतर्गत लोगों को विहिप के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी भी दी जाएगी। हितचिंतक अभियान का उद्देश्य विहिप के विभिन्न आयामों के कार्यों का जन सेवार्थ विस्तार करना है। सेवा कार्यों से अधिकाधिक वंचित समाज को जोड़ना, नई पीढ़ी में सनातन संस्कारों का संचार करना, गौवंशों की रक्षा, सामाजिक समरसता, नारी सशक्तीकरण, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण व मठ–मंदिरों की सुव्यवस्था के साथ ही हिंदू समाज को संगठित करते हुए उसकी सुरक्षा के संकल्प का भाव जगाना भी अभियान का उद्देश्य है ।विश्व हिंदू परिषद मतांतरण और लव जेहाद रोकने और घर वापसी के लिए किस तरह कटिबद्ध है, यह जानकारी भी अभियान के अंतर्गत दी जाएगी।

मासूम का बिसरा भेजा गया विधि विज्ञान प्रयोगशाला : पी एम रिपोर्ट से स्पष्ट नही हुआ मौत का कारण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : खेतासराय थाना क्षेत्र के बारा गांव में एक बच्चे को जहर देकर हत्या करने के आरोप में बुधवार को कब्र से निकाले गए शव का पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया था । इसमें हत्या का कारण स्पष्ट न होने पर बिसरा को सुरक्षित रखते हुऐ विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा गया है । बिसरा रिपोर्ट आने पर ही मासूम के मौत का वास्तविक कारण का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मालूम हो कि खेतासराय थाना क्षेत्र के बारा गांव में 29 अक्टूबर को एक बारात आई थी। गांव का धर्मेन्द्र और उसका परिवार पड़ोस में आई बारात में द्वारचार देखने चला गया था। परिजन घर लौटकर आए तो धर्मेन्द्र का एक वर्षीय पुत्र आरव मृत मिला। परिजनों ने शव को गांव के श्मशान स्थल ले जाकर दफन कर दिया। घटना के तीन दिन बाद पिता को पता चला की उसके बेटे आरव की मौत किसी के द्वारा जहर देने से हुई थी। घटना के तीसरे दिन संदिग्ध मौत होने की आशंका पर पिता धर्मेन्द्र ने थाने में तहरीर दी। शव को कब्र से निकलवाकर पीएम के लिए उसने प्रशासन से अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर बुधवार को सुबह एसडीएम अंकित कुमार, सीओ चोब सिंह, नायब तहसीलदार अमित सिंह, थानाध्यक्ष युजवेंद्र कुमार सिंह की मौजूदगी में बच्चे की लाश को कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पी एम रिपोर्ट के बाद भी मासूम की मौत का वास्तविक कारण नहीं पता चल पाया है। एसओ यजुर्वेद सिंह ने बताया कि पीएम रिपोर्ट स्पष्ट न आने से हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका। इसको देखते हुए बिसरा को सुरक्षित रखते हुऐ विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच के लिऐ भेज दिया गया है । एक सप्ताह बाद बिसरा की रिपोर्ट आने पर ही बच्चे की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

गन्ना बेच रहे युवक को मनबढो ने पीटा

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : कोतवाली चौराहे पर गुरुवार की देर रात गन्ना बेच रहे युवक को मनबढो ने पीटकर घायल कर दिया। भुक्तभोगी घटना की सूचना पुलिस को देकर उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया । प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बेडकर नगर जनपद के बसखारी डढियांव गांव निवासी शिवपाल (22)पुत्र राम किशोर गुरुवार की देर रात नगर के कोतवाली रोड पर गन्ना बेच रहा था। नगर के मनबढो ने कम कीमत पर गन्ना मांगने लगे। युवक शिवपाल के मना करने पर मनबढ युवकों ने जमकर पीटाई कर दिया। पीड़ित ने घटना की जानकारी पुलिस को दिया सूचना पाकर मौके पर पहुची पुलिस ने युवक को उपचार के लिए स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया ।इस संबंध में पूछे जाने पर प्रभारी निरिक्षक सदानंद राय ने बताया कि मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

डेंगू संबंधी रोगी चिकित्सक से तुरंत करें संपर्क – डा. अजय तिवारी

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिले में डेंगू अपना पांव बहुत ही तेजी से पसार चुका है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब डेंगू से पीड़ित मरीजों की संख्या एक हजार पार कर चुकी है। जिसके चलते सरकारी और निजी अस्पतालों में डेंगू से पीड़ित मरीजों की संख्या अधिक दिखाई दे रहीं हैं। वही इस समय डेंगू से पीड़ित मरीजों के बढ़ने से बढ़ी प्लेटलेट्स की मांग बढ़ रही है। इस संबंध मे शहर के जाने माने चिकित्सक डाक्टर अजय तिवारी ने लोगों से अपील किया है कि अगर किसी भी रोगी में डेंगू बीमारी के लक्षण दिखाई दे तो वह बिना देरी किये अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात चिकित्सक या फिर आसपास के चिकित्सक से संपर्क करें। इस समय तेजी से पांव पसार चुके डेंगू से स्वास्थ्य विभाग महकमे में हड़कंप मच गया है वहीं इतना सब कुछ होते हुए भी शहर के अधिकतर कालोनियों व मुहल्ले काफी दिनों से सफाई कर्मचारी के न जाने से वहां की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है।लोगों की मानें तो वहां पर न तो फॉगिंग हो रही है और ना ही लार्वा को नष्ट करने के लिए दवाओं का छिड़काव हो रहा है। जिसके चलते वहां के लोग डेंगू जैसे संक्रमित बीमारी से ग्रसित हो रहे हैं।वही इस संबंध में डाक्टर अजय तिवारी ने बताया कि डेंगू बीमारी एक खतरनाक संक्रामक बीमारी है।इस बीमारी के लक्षण तेज बुखार,आँखो के पीछे दर्द, जी मचलाना, चक्कर आना, मांसपेशियो और हड्डियों में दर्द होना है।डेंगू एडीज मच्छरों के काटने से होता है जिसमें जीका

और चिकनगुनिया जैसे वायरस भी होते हैं।उन्होंने बताया कि यदि कोई मच्छर संक्रमित व्यक्ति को काटता है और वही मच्छर दूसरे व्यक्ति को काटता है तो उसे भी डेंगू हो सकता है। डेंगू के बारे में जानकारी देते हुए डाक्टर अजय तिवारी ने बताया कि इसका समय तीन से सात दिन का होता है।इस रोग से पीड़ित रोगी को घर का बना सदा भोजन, अधिक मात्रा में तरल पदार्थ जैसे नारियल पानी, ग्लूकोस,फल कीवी, पपीता आदि का सेवन करना चाहिए। वही बिना डॉक्टर की सलाह के बगैर किसी प्रकार की दवा का सेवन नहीं करना चाहिए। इस रोग से बचाव हेतु सभी लोग अपनी त्वचा को ढक कर रखें, और हो सके तो वे अपने आसपास गन्दा पानी न इकठ्ठा होने दें और सोते समय मच्छर दानी का प्रयोग करें।

गिट्टी लादकर जा रहे ट्रक में पीछे से दूसरी ट्रक ने मारी टक्कर : खलासी की मौत

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) रुदौली कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई भीषड सड़क दुर्घटना में खलासी की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रुदौली कोतवाली की भेलसर चौकी क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार की सुबह भोर में तीन बजे भेलसर गांव के तालाब के पास लखनऊ की ओर से आयोध्या की ओर गिट्टी लादकर जा रहे ट्रक में उसी के पीछे लहसुन लादकर आ रहे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रक का अगला चक्का बाहर निकल गया जिसमें खलासी गम्भीर रूप से घायल हो गया और गिट्टी लादकर जा रहा ट्रक मौके से फरार हो गया और राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन बाधित हो गया जिसे पुलिस ने पहुंचकर रोड का डायवर्जन कर आवागमन को बहाल कराया।लोगों ने घटना की सूचना भेलसर पुलिस को दी।घटना की सूचना मिलते ही तत्काल भेलसर चौकी प्रभारी दृवेश द्विवेदी अपने हमराहियों का0 ताहिर खान,कुलदीप सिंह,आशीष यादव व अजय यादव के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर गम्भीर रूप से घायल खलासी को एनएचआई की एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया।जहां उसको देखते ही डाक्टरों मृत घोषित कर दिया।इस सम्बंध में भेलसर चौकी प्रभारी दृवेश द्विवेदी ने बताया कि बुधवार की सुबह लगभग तीन बजे गिट्टी लादकर अयोध्या की ओर जा रहे ट्रक में पीछे से लहसुन लादकर जा रहे ट्रक संख्या यूपी 58 टी 8076 की भेलसर गांव के तालाब के पास जोरदार टक्कर हो गई जिसमें खलासी शिव राजभर पुत्र फूलचन्द्र राजभर 22 वर्ष निवासी ग्राम भरबलियाकला थाना खेसरहा जिला सिद्धार्थनगर की जिला अस्पताल अयोध्या में मौत हो गई और ट्रक चालक प्रवेश यादव पुत्र मुन्नी लाल यादव निवासी बड़गो थाना खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर को कोई चोट नहीं लगी वह सुरक्षित है।

ट्रैक्टर हटाने जा रहे युवक को सांप ने काटा

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) थाना मिल्कीपुर क्षेत्र में चौकी क्षेत्र बारून बाजार के कर्मडांडा पूरे अमीर सिंह गांव में एक युवक को रात साढ़े आठ बजे सांप ने डस लिया।युवक आशीष यादव (19) अपने घर के सामने खड़ंजे पर खड़े ट्रैक्टर को हटाकर घर के अंदर खड़ा करने जा रहा था कि तभी उसका पैर सांप के ऊपर पड़ गया जिसपर सांप ने उसे डस लिया। आनन–फानन में युवक के पिता संतोष कुमार यादव एवं चाचा महेंद्र यादव ने बाइक से उसे जिला चिकित्सालय में ले जाकर भर्ती कराया।जहां रात भर युवक का इलाज चिकित्सकों की देखरेख में हुआ। दूसरे दिन सुबह दस बजे रिकवर हो जाने पर डॉक्टरों ने उसे अस्पताल से छुट्टी दे दिया।

सरकारी केन्द्रों पर धान की खरीद हुई प्रारम्भ

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) एक नवम्बर, 2022 से सरकारी केन्द्रों पर धान की खरीद प्रारम्भ 03 नवम्बर, 2022 मण्डल में एक नवम्बर, 2022 से सरकारी केन्द्रों पर धान की खरीद प्रारम्भ हो चुकी है। दिनांक 03 नवम्बर, 2022 को जनपद अयोध्या में

सर्वप्रथम पी0सी0एफ0 द्वारा संचालित धान क्रय केन्द्र एल0एस0एस0 कोटसराय पहुंचकर धान क्रय केन्द्र का निरीक्षण किया। क्रय केन्द्र प्रभारी मौके पर उपस्थित मिले। केन्द्र पर आवश्यक उपकरण दो इलेक्ट्रॉनिक कांटे, पावर डस्टर, नमी मापक यन्त्र आदि उपलब्ध पाये गये। इलेक्ट्रॉनिक कांटे पर सत्यापन की सील नहीं पायी गयी। मौके पर ही बांट माप निरीक्षक को दूरभाष पर तत्काल कांटे का भौतिक सत्यापन कराने हेतु निर्देशित किया। केन्द्र पर लेबर उपस्थित नहीं मिली जिसके लिये जिला प्रबंधक, पी0सी0एफ0 को तत्काल केन्द्र पर लेबर की व्यवस्था कराने एवं दो दिन के अन्दर हैण्डलिंग ठेकेदार की नियुक्ति पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इस बार शासन द्वारा क्रय नीति में 48 घण्टे के अंदर भुगतान करने का प्राविधान किया गया है। केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया कि विगत वर्ष धान विक्रय करने वाले किसानों से प्रतिदिन दूरभाष पर वार्ता कर उन्हें किसान मित्र एप के बारे में जानकारी दें कि इस एप पर वह अपना पंजीकरण/आधार संख्या डालकर यह देख लें कि उनके खातें में भुगतान सफलतापूर्वक हो पायेगा या उसमें कोई समस्या तो नहीं है। ताकि किसानों को निर्धारित समय में भुगतान सुनिश्चित हो सके। इसके बाद खाद्य विभाग के क्रय केन्द्र कटरौली सोहावल का निरीक्षण किया। केन्द्र प्रभारी श्री प्रवीण कुमार, मार्केटिंग इंस्पेक्टर मौके पर उपस्थित मिले। केन्द्र पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण पायी गयी। मौके पर उपस्थित श्री धर्मपाल सिंह ग्राम मीरपुर, श्री विद्याधर मिश्रा ग्राम मीरपुर, श्री रामकृपाल सिंह की पंजीकरण संख्या किसान मित्र एप पर डालकर चेक कर उन्हें बताया गया कि उनके खात में भुगतान हो पायेगा या नहीं। केन्द्र प्रभारी को भी निर्देशित किया कि प्रतिदिन किसानों से दूरभाष पर सम्पर्क कर एवं केन्द्र पर आने वाले किसानों को किसान मित्र एप के माध्यम से अपने भुगतान की स्थिति को चेक करने की जानकारी दें एवं स्वयं भी मौके पर देख लें कि उनके खाते में भुगतान हो पायेगा या नहीं या उसमें कोई समस्या है, ताकि किसान समय से उसे दूर करा लें एवं निर्धारित समय में उन्हें भुगतान प्राप्त हो सके।

मण्डलायुक्त ने की अयोध्या विजन 2047 की समीक्षा

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) मण्डलायुक्त नवदीप रिणवा की अध्यक्षता में आज अयोध्या विजन 2047 की समीक्षा आयुक्त सभागार में की गयी। मण्डलायुक्त ने अयोध्या के आसपास के विकास कार्यो की गहन समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी नितीश कुमार के अतिरिक्त मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव, ने अपर जिलाधिकारीगण, विभिन्न विभागों के मुख्य अभियन्ता, अधिशाषी अभियन्ता एवं एक दर्जन से ज्यादा कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। अयोध्या विजन 2047 की समीक्षा के दौरान मण्डलायुक्त द्वारा अयोध्या हवाई अड्डा, श्रीराम जन्मभूमि के पास पहुंचने वाले मार्ग यथा–रामपथ (सहादतगंज से नयाघाट तक), भक्ति पथ (श्रृंगारहाट से हनुमानगढ़ी होते हुये श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक) व जन्मभूमि पथ (सुग्रीव किला से होते हुये श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक) मार्ग की समीक्षा की गयी। बैठक में लोक निर्माण विभाग, निर्माण खण्ड 4 के अधिशाषी अभियन्ता द्वारा बैठक में पूर्ण रूप से तैयारी न करके आने पर व अपने कार्यो में शिथिलता बरतने पर मण्डलायुक्त द्वारा रोष व्यक्त करते हुये कहा कि सम्बंधित अधिकारी बैठक में तैयारी के साथ आयें तथा विभागीय अधिकारी व कार्यदायी संस्था यथा–विद्युत, जल निगम, नगर निगम आदि श्रीराम जन्मभूमि न्यास के साथ स्थापित करते हुये कार्य को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, इसकी शासन द्वारा नियमित समीक्षा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यो के लिए शासन द्वारा वित्त स्वीकृति प्रदान करते हुये धनराशि अवमुक्त की गयी है इसलिए किसी भी विभाग व कार्यदायी संस्था का कार्य प्रभावित नही होना चाहिए। मण्डलायुक्त ने समीक्षा के दौरान यह भी कहा कि मार्गो के चौड़ीकरण का कार्य मानक के अनुसार सम्बंधित विभागों द्वारा निर्धारित समय पर पूर्ण किया जाय और जहां समस्या आ रही हो तो उसके सम्बंध में अपर जिलाधिकारीगण, जिलाधिकारी व मुझे अवगत कराया जाय, जिससे ससमय उसका निस्तारण किया जा सकें।मण्डलायुक्त ने अगले चरण में अयोध्या हवाई अड्डा के निर्माण कार्यो की समीक्षा की गयी जिसमें एयरपोर्ट अर्थारिटी के पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि रनवे के फेज–1 का कार्य जनवरी 2023 के प्रथम सप्ताह में समाप्त हो जायेगा तथा टर्मिनल का कार्य मार्च 2023 तक पूर्ण कर लिया जायेगा, जिस पर मण्डलायुक्त ने कहा कि एयरपोर्ट के निर्माण में होलीस्टिक अपरोच के साथ कार्य किया जाय और स्टीमेट को रिवाइज कर कोई अन्य डिमांड न की जाय तथा निर्माण कार्य को समय पर पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई समस्या आती है तो तत्काल अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री महेन्द्र कुमार सिंह के संज्ञान में लाते हुये निस्तारण करायें तथा उसकी जानकारी जिलाधिकारी व मुझे भी बतायें। मण्डलायुक्त ने कहा कि सभी सम्बंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्यो को सम्पादित करें व अनावश्यक रूप से टाल मटोल कर कार्य को प्रभावित न होने दें। यदि ऐसा पाया जाता है तो सम्बंधित के विरूद्व नियमानुसार संज्ञान लिया जायेगा। मण्डलायुक्त ने समीक्षा के दौरान उदाहरण देते हुये बताया कि विगत दिनों में हनुमानगढ़ी मुख्य मार्ग पर एक पेड़ टूटकर गिर गया था, जिसकी जानकारी मुझे हुई तो प्रातः लगभग 7 बजे मेरे द्वारा मुख्य वन संरक्षक को अवगत कराया गया कि तत्काल पेड़ को हटवाया जाय क्योंकि इससे यातायात प्रभावित हो रहा है। इस सब कार्यवाही में लगभग घंटों तक यातायात व्यवस्था प्रभावित रही, जो पर्यटक नगरी के उद्देश्य से सही नही है। अगर नगर निगम, लोक निर्माण विभाग आदि द्वारा समय से सूचना वन विभाग को देकर कार्यवाही की गयी होती तो इतनी देर तक श्रद्वालुओं को समस्या न होती इसलिए सभी विभागीय अधिकारी अपने–अपने दायित्वों का समय से संज्ञान लेकर उसका निर्वाहन सुनिश्चित करें, जिससे भविष्य में इस प्रकार की कोई और समस्या का सामना न करना पड़े और सभी अधिकारियों का यह दायित्व है कि किसी भी शिकायत को मेरे तक पहुंचने तक पूर्व निस्तारण की कार्यवाही सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार का टाल मटोल न करें। मण्डलायुक्त ने समीक्षा के दौरान कार्यदायी संस्था लोक निर्माण, श्रम, धर्माथ कार्य, नगर निगम, नगर विकास, जलनिगम, पावर कार्पोरेशन, अयोध्या विकास प्राधिकरण आदि विभागों की जो अयोध्या विजन से सम्बंधित है की समीक्षा हुई ।जिलाधिकारी नितीश कुमार द्वारा अयोध्या विजन 2047 का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया और बताया गया कि लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग आदि विभागों के अधिकारी बेहतर समन्वय से कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन, मुख्यमंत्री आदि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भक्ति पथ, राम पथ, जन्मभूमि पथ, हवाई अड्डा आदि के निर्माण कार्यो की नियमित समीक्षा की जा रही है इसलिए सभी सम्बंधित विभाग निर्माण कार्यो को गुणवत्ता के साथ ससमय पूर्ण करें। उन्होंने यह भी कहा कि यह देखने में आया है कि कई अधिकारी शनिवार व रविवार को मुख्यालय पर उपस्थित नही होते है जिससे शासन द्वारा कोई भी रिपोर्ट मांगे जाने पर प्रस्तुत करने में विलम्ब होता है इसलिए सभी जिला स्तरीय अधिकारी मुख्यालय छोड़ने से पूर्व अनुमति जिलाधिकारी स्तर से व मण्डलीय स्तरीय अधिकारी मण्डलायुक्त से अनुमति प्राप्त करने के पश्चात ही मुख्यालय छोड़ना सुनिश्चित करें। इस बैठक में मण्डल स्तर के अधिकारी/ अभियन्ता गण एवं अयोध्या विजन से जुड़े हुये विभागों के अधिकारी/ कर्मचारियों ने भाग लिया।

सच्चे राम भक्त थे के.के.के. नायर

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) के के के नायर अर्थात कृष्ण करुणा कर नायर,आज जब पूरा देश श्री राम लला के जन्मभूमि मन्दिर शिलान्यास के जश्न में डूबा हुआ है तब कृष्ण करुणा कर नायर का नाम याद किए बिना आज का दिन सार्थक नहीं हो सकता। कौन थे के के के नायर । उनका जन्म 11 सितंबर 1907 को केरल में एलेप्पी में हुआ था और 7 सितंबर 1977 को उन्होंने इस पार्थिव देह को त्याग दिया। के के के नायर की शिक्षा दीक्षा मद्रास और लंदन में हुई थी।1930 में वे आई सी एस बने और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर कलेक्टर रहे। 1 जून 1949 को उन्हें फैजाबाद का कलेक्टर बनाया गया। मानो राम लला ने उनको स्वयं फैजाबाद बुलाया हो। उनके कलेक्टर रहते हुए 22– 23 दिसंबर 1949 की रात को इसी स्थान पर रामलला का प्राकट्य हुआ और 23 दिसंबर की शुभ प्रातः काल बड़ी संख्या में भक्तों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ तथाकथित बाबरी मस्जिद (वास्तविक राम जन्म भूमि) पर रामलला का दर्शन करने के लिए एकत्र होने लगी। वास्तव में 22–23 दिसम्बर 1949 की रात सबसे बड़ा शिलान्यास हुआ था जब रामलला का प्राकट्य हुआ। सबसे बड़ा शिलान्यास का दिन तो वही था। भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और उप प्रधानमंत्री तथा गृह मन्त्री सरदार पटेल ने उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री पंडित गोविंद बल्लभ पंत और उप्र के गृह मन्त्री लाल बहादुर शास्त्री को कहा कि किसी भी स्थिति में रामलला की प्रतिमा उस स्थान से तत्काल हटा दी जानी चाहिए।मुख्यमंत्री पन्त और शास्त्री ने कलेक्टर के के के नायर को प्रतिमा हटाने का आदेश दिया लेकिन केरल के इस आई सी एस के मन में तो कुछ और ही था। उन्होंने प्रतिमा हटाने से इंकार कर दिया। जवाहरलाल नेहरू ने प्रतिमा हटाने के लिए उनको सीधे आदेश दिया दो बार आदेश दिया किन्तु के के के नायर टस से मस नहीं हुए।उन्होंने प्रतिमा नहीं हटाई साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा प्रतिमा किसी ने रखी नहीं है, रामलला का प्राकट्य हुआ है और जब रामलला का प्राकट्य हुआ है तो उसे कौन हटा सकता है। नेहरू ने आई सी एस अफसर नायर को कहा कि तुम्हारा ट्रांसफर कर देंगे तो उन्होने कहा कोई दिक्कत नहीं है लेकिन ट्रांसफर पर या काशी जाऊंगा या मथुरा और कहीं नहीं जाऊंगा। यह सुनकर नेहरू के रोंगटे खड़े हो गए उन्हें कंपकपी छूट गई। नायर किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे। अंततः नायर को सस्पेंड कर दिया गया। उन्होंने अपने निलंबन हो इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दिया और उनका निलंबन उच्च न्यायालय ने निरस्त कर दिया। नायर का संकल्प तो कुछ और ही था उन्होंने आगे नौकरी करने से इंकार कर दिया और स्वेच्छा से सेवानिवृत्ति ले ली। 1952 में उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वकालत शुरु कर दी । बाद में पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल जी के संपर्क में आने के बाद उन्होंने भारतीय जनसंघ की सदस्यता ले ली। 1967 में बहराइच से वे भारतीय जनसंघ के टिकट पर सांसद चुने गए। उनकी पत्नी शकुंतला नायर कैसरगंज से सांसद चुनी गई और उनका ड्राइवर भी विधायक चुना गया। दृढ़ इच्छाशक्ति के धनी कृष्ण करूणा कर नायर को आज के दिन याद किए बिना मन नहीं मान रहा था इसलिए कुछ शब्द उनके विषय में आप सभी महानुभाव के सामने मैंने रखा है। के के के नायर का स्मरण मात्र ही भावुक बना देता है। जब 1986 में राम जन्मभूमि का ताला खोला गया तब अन्य सभी लोगों की तरह पहली बार मैंने अंदर जाकर रामलला के दर्शन किए थे। आपको बताऊं रामलला की प्रतिमा के बगल में के के के नायर की एक फोटो रखी थी और दीवाल पर लिखा था जब तक राम लला का नाम रहेगा के के के नायर तेरा नाम इतिहास में अमर रहेगा। आज क्या हो गया किसी ने भी इस महान आत्मा कृष्ण करूणा कर नायर को आज याद तक नहीं किया। भगवान श्री राम के कट्टर भक्त जिसने अपनी आईएएस की नौकरी तक की परवाह नहीं की।

सिर्फ चहेतो के घर पर ही कीटनाशक दवा का छिड़काव व फागिंग

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) नगर पंचायत प्रशासन गोसाईगंज सिर्फ चापलूसों और अपनो तक ही सीमित है।नगर में लगातार बढ़ रहे डेंगू जैसे गंभीर संक्रामक बीमारी को भी गंभीरता से नहीं ले रहा है। नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव और फोगिंग नाममात्र ही है ।नगर पंचायत द्वारा फोगिंग अगर होती भी है तो सिर्फ चेयरमैन,सभासद और अपने चहेते चापलूसों के घरों तक ही।सूत्र बताते हैं कि इसका शासन से अच्छा बजट आता है इसीलिए कुछ ही क्षेत्रों में खानापूर्ति करके खर्च आहरण कर लिया जाता है।इसी तरह की एक खबर नगर के वार्ड नंबर 3 शिवपुरी कालोनी से मिली है जहां आधी कालोनी में कभी कभी हवाई फोंगिन नाममात्र की ही हुई है शेष जगहों पर बिल्कुल नही ,चेयरमैन और सभासद भी एकदम मौन है।नगर पंचायत और जन प्रतिनिधियों का इस तरह का लापरवाही व पक्षपात पूर्ण कार्य संदेहास्पद है जो जांच का विषय बनता है।

अयोध्या की पंचकोसी परिक्रमा में उमड़े श्रद्धालु

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) कार्तिक मास की प्रसिद्ध पंचकोसी परिक्रमा पथ पर गुरूवार की शाम श्रद्धालुओं का तांता लग गया, यह परिक्रमा शुक्रवार की शाम 7.02 बजे चलेगी। पंचकोसी परिक्रमा दो दिन पड़ने के कारण पहले दिन परिक्रमार्थियों की संख्या प्रयाप्त नहीं रही। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले भक्तों ने मुहूर्त समय से परिक्रमा का आरम्भ किया। शहरी क्षेत्र के परिक्रमार्थी शुक्रवार की सुबह से परिक्रमा आरम्भ करेंगे। परिक्रमा को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस बल ने विशेष प्रबंध किये हैं। परिक्रमा क्षेत्र में बाहर से आने वाले वाहनों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है जो परिक्रमा समाप्ति के बाद ही खोला जायेगा। पंचकोसी परिक्रमा पथ पर स्वयंसेवी संस्थाओं और सरकारी विभागों ने खास तौर पर स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा व सेवा शिविरों का आयोजन किया गया है। हनुमत संस्कृत महाविद्यालय के पूर्व आचार्य हरफूल शास्त्री के अनुसार एकादशी तिथि गुरुवार को रात्रि 8.51 बजे से शुरू होकर शुक्रवार को सायं 7.02 बजे तक रहेगी। नगर निगम की तरफ से श्रद्धालुओं के लिए जगह जगह विश्राम स्थल बनाये गए है। पूरे परिक्रमा मार्ग पर बालू डलवाया गया जिससे श्रद्धालुओं के पैर में कंकड़ पत्थर न लगे। पुलिस प्रशासन की ओर से जगह जगह बैरिकेडिंग लगाई गई है। सीओ अयोध्या डॉक्टर राजेश सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो इसके लिए भारी पुलिस बल लगाया गया है पूरी परिक्रमा को ड्रोन कैमरे से निगरानी की जा रही है। हाइवे पर रुट डाइवर्जन किया गया है, उन्होंने बताया कि जिस प्रकार चौदह कोसी परिक्रमा में 40 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने परिक्रमा की और अनुनाम ये लगाया जा रहा है की पंचकोसी परिक्रमा में उससे ढेड़ गुना भीड़ होगी। जिला प्रशासन ने पूरे मेला क्षेत्र को पांच जोन में बांटकर सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंध किया किया। सभी चिह्नित बिंदुओं पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के अलावा जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों व स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं उनके साथ एएसपी व डिप्टी एसपी स्तर के पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है।

स्व0 राम अचल गुप्ता को विधायक ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) कारसेवा के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर बलिदानी स्वर्गीय राम अचल गुप्ता को पक्का तालाब शुजागंज स्थित उनकी समाधि स्थल पर पर बुधवार को आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में क्षेत्रवासियों सहित विधायक रामचंद्र यादव ने वैदिक यज्ञ, विचार गोष्ठी व उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस श्रद्धांजलि समारोह में सर्वप्रथम आर्य समाज रुदौली के मंत्री शतीन्द्र प्रकाश शास्त्री व पंडित राजेंद्र प्रसाद शास्त्री द्वारा वैदिक यज्ञ संपन्न करा कर परम पिता परमेश्वर से दिवंगत कार्य सेवक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में यजमान के रूप में उपस्थित दिवंगत कारसेवक स्वर्गीय राम अचल गुप्ता के सुपुत्र संजय व संदीप ने यज्ञ में आहुति प्रदान की। कार्यक्रम में पहुँचे विधायक रामचंद्र यादव ने स्वर्गीय राम अचल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात आज अक्षय नवमी पर श्री गुप्त की समाधि स्थल पर लगे आंवले के बृक्ष की पूजा अर्चना की तथा उपस्थित जन समूह के साथ श्री गुप्त के बारे में चर्चा करते हुए उन्हें याद किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व भाजपा नगर अध्यक्ष रुदौली शतींद्र प्रकाश शास्त्री ने कहा कि आज अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर हो रहा भव्य राम मंदिर का निर्माण राममंदिर आंदोलन में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले स्वर्गीय राम अचल गुप्त के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।कार्यक्रम का संचालन करते हुए भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री एवं रुदौली के पूर्व चेयरमैन अशोक कसौधन ने कहा कि जब तक यह धरती व गगन रहेगा तब तक स्व. राम अचल गुप्ता के बलिदान को विस्मृत नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि आज जब अयोध्या में श्री रामलला का भव्य मंदिर निर्माण हो रहा है तो इससे स्वर्गीय राम अचल सहित सभी बलिदानी कारसेवकों की आत्मा को परम शांति प्राप्त होगी। भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष आशीष शर्मा ने स्वर्गीय राम अचल गुप्ता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देनें के उपरांत उनके बड़े पुत्र संजय गुप्ता को अंगवस्त्र पहनाते हुए कहा कि यह आपके स्वर्गीय पिता सहित उन कारसेवकों के बलिदान का ही परिणाम है जो आज अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण हो रहा है।

आठ नवंबर को लगेगा चंद्र ग्रहण

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) कार्तिक माह की पूर्णिमा यानी देव दीपावली के दिन चंद्र गहण का साया रहेगा । बता दें कि कार्तिक माह की पूर्णिमा तिथि 08 नवंबर को है । ऐसे में इस बार देव दीपावली चंद्र गहण की साए में मनाई जाएगी। चंद्रगहण इस दिन दोपहर 01 बजकर 32 मिनट से शुरू हो रहा है, इसका मोक्ष शाम 07 बजकर 27 मिनट पर होगा। भारतीय समयानुसार भारत में चंद्र ग्रहण 08 नवंबर को शाम 05 बजकर 29 मिनट पर शुरू होगा, जिसका समापन शाम 06 बजकर 19 मिनट पर होगा । चंद्रग्रहण का सूतक 09 घंटे पहले लग जाता है। इस बार चंद्र ग्रहण पूरे भारत में भी दिखाई देगा। ऐसे में भारत में चंद्र ग्रहण का सूतक सुबह 08 बजकर 10 मिनट पर होगा। भारत में सूतक काल का समापन 06 बजकर 20 मिनट पर होगा । हालांकि चंद्र ग्रहण का पूर्णतः मोक्ष शाम 07 बजकर 27 मिनट पर हो रहा है। ऐसे में इस दिन पूरे पृथ्वी पर सूतक काल का समापन शाम 07 बजकर 27 मिनट पर होगा।

मसौधा ब्लाक पर आयोजित संपूर्ण ब्लॉक दिवस में आई तीन शिकायतों में दो का हुआ मौके पर निस्तारण

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) विकास खंड मसौधा में गुरुवार को संपूर्ण ब्लॉक दिवस लगाकर जन समस्याएं सुनी गई संपूर्ण ब्लॉक दिवस में तीन शिकायतें आई जिसमें 2 का मौके पर ही निस्तारण हो गया।मसौधा ब्लाक में संपूर्ण ब्लॉक दिवस की अध्यक्षता बद्री प्रसाद संयुक्त खंड विकास अधिकारी ने किया।संपूर्ण ब्लॉक दिवस समय सीमा के अंदर ग्राम पंचायत शिवदासपुर की समस्या को लेकर वहां के निवासी पूर्व प्रधान व एडवोकेट एल बी शुक्ला ने जन समस्या संबंधी दो आवेदन दिया जिसका वहा के सचिव शशिलता यादव को बुलाकर तत्काल निस्तारण करा दिया । संपूर्ण समाधान दिवस में तीसरी शिकायत ग्राम पंचायत बभनगवा से आई जिसके निस्तारण के लिए सचिव को निर्देशित किया। संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य रूप से सहायक विकास अधिकारी आईएसबी संतोष पांडेय, नरेंद्र कुमार पांडेय, सहायक विकास अधिकारी पंचायत जीशान हैदर, ग्राम पंचायत अधिकारी अनिल कुमार दुबे, जितेंद्र कुमार वर्मा, मीनाक्षी वर्मा,कांति यादव, यास्मीन बानो आदि अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।